सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

शनिवार, 22 जून, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 245, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

उम्मीद है सरकार थियेटर कमांड की स्थापना को प्राथमिकता देगी

ले. जनरल प्रकाश मेनन (रि)

2024 के लोकसभा चुनाव और उसके नतीजों ने भारत की लोकतांत्रिक छवि को निश्चित रूप से मजबूत किया है। तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी केंद्र सरकार किस दिशा में आगे बढ़ती है, यह उसकी नीतियों और कार्रवाइयों से स्पष्ट हो जाएगा। इससे यह भी स्पष्ट होगा कि वह चुनावी नतीजे के व्यापक राजनीतिक आयामों को किस हद तक स्वीकार करती है। राष्ट्रीय सुरक्षा और खासकर नागरिक-सैनिक संबंध के मामले में सुधारों का रास्ता हमेशा लंबा और अंतहीन ही होता है। सुधारों की निरंतर कोशिश कितनी महत्वपूर्ण है इसे बताने की ज़रूरत नहीं। ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि सैन्य बल के जरिए जो राजनीतिक लक्ष्य हासिल किए जाने हैं उन्हें ठोस रूप राजनीतिक और सैन्य नेतृत्वों के बीच गहरे संवाद के जरिए ही दिया जाना चाहिए। ऐसे संवादों को लक्ष्यों, क्षमताओं, आवश्यक संसाधनों और जोखिमों के बारे में आपसी समझदारी का सहारा मिलना ही चाहिए।

नागरिक-सैन्य संबंधों का प्रथम लक्ष्य जटिल होते राजनीतिक, रणनीतिक, तकनीकी, आर्थिक और भू-राजनीतिक माहौल में सेना की प्रभावशीलता को मजबूत बनाना होना चाहिए। आपसी समझदारी के अभाव में राजनीतिक नेतृत्व या तो सेना की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर पाएगा या उससे अपनी क्षमता से बाहर के काम करवाने की कोशिश करेगा। भारत के संवैधानिक ढांचे में राष्ट्रपति सेनाओं का सर्वोच्च कमांडर होता है, जो नागरिक सत्ता को वरीयता प्रदान करता है, लेकिन जिस सेना से ताकत के इस्तेमाल की अपेक्षा की जाती है वह एकमात्र पेशेगत सत्ता है जो बड़े पैमाने पर हिंसा को रोकने और देश को दुश्मनों द्वारा हिंसा फैलाने की कोशिश से सुरक्षा देने के लिए जिम्मेदार होती है। इसका अर्थ यह है कि नागरिक सत्ता की सर्वोच्चता के बावजूद राजनीतिक नेतृत्व सैन्य रणनीति को स्वरूप देने और उसे लागू करने के लिए सैन्य परामर्श पर बहुत हद तक निर्भर होता है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के पद का निर्माण 1 जनवरी 2020 को किया गया। आदेश दिया गया कि सीडीएस तीनों सेनाओं के मामलों में रक्षा मंत्री के प्रधान सैन्य सलाहकार की और न्यूक्लियर कमांड ऑथरिटी (एनसीए) के सैन्य सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। ये भूमिकाएं सेना के विकास और संभावित उपयोग से संबंधित होंगी, जबकि एनसीए सिर्फ परमाणु हथियारों के उपयोग के मामले देखेगी। इसके साथ सीडीएस को दो और जिम्मेदारियां निभानी हैं - एक तो सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) के सेक्रेटरी की और दूसरी चीफ ऑफ द स्टाफ कमिटी के स्थायी चेयरमैन (पीसीसीओएससी) की। इन पदों की सलाहकार वाली भूमिका को शांति काल में निभाना चुनौतीपूर्ण होता है और सुरक्षा संकट तथा युद्ध के काल में और भी कठिन होता है। सीडीएस को डीएमए के सेक्रेटरी की ज़िम्मेदारी से मुक्त करने के पक्ष में जोरदार तर्क दिए जाते हैं। यह ज़िम्मेदारी केंद्र सरकार उठा सकती है। इसके साथ बहुप्रतीक्षित थिएटर कमांड की स्थापना की जा सकती है. उम्मीद है कि एनडीए सरकार इसकी स्थापना को प्राथमिकता देगी।

युद्ध काल में सलाहकार वाली भूमिका और थिएटर कमांडरों की ऑपरेशन संबंधी भूमिका के महत्व पर विचार करने पर आदर्श स्थिति तो यही लगती है कि सीडीएस की केवल दो जिम्मेदारियां होनी चाहिए- रक्षा मंत्री के प्रधान सैन्य सलाहकार की और एनसीए के सैन्य सलाहकार की। उन पर ऑपरेशन से संबंधित किसी भूमिका का बोझ न डाला जाए। इसका अर्थ यह भी हुआ कि एक अलग (पीसीसीओएससी) की नियुक्ति की जानी चाहिए। नागरिक सत्ता और सेना के संबंधों का एक सबसे महत्वपूर्ण तत्व है वैश्विक तथा क्षेत्रीय भू-राजनीतिक माहौल के बारे में साझा आकलन। इस साझा समझदारी से राष्ट्रीय सुरक्षा को पहुंचने वाले खतरों के स्वरूप तथा संभावना का पता चलेगा और उन अवसरों के बारे में भी पता चलेगा कि जिनका लाभ उठाया जा सकता है। इसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (एनएसएस) की ज़रूरत होगी, जो थिएटर कमांड की तरह अपूर्ण आकांक्षा बनी हुई है। 2018 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की अध्यक्षता में एक शीर्ष स्तरीय 'डिफेंस प्लानिंग कमिटी' (डीपीसी) का गठन एनएसएस और नेशनल डिफेंस स्ट्रेटजी बनाने के लिए किया गया। डीपीसी को रक्षा मंत्रालय में 'इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ' (आईडीएस) के मुख्यालय में स्थापित किया गया, लेकिन इसके बाद उसमें क्या प्रगति हुई इसकी कोई जानकारी नहीं है।

नई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) के एक हिस्से नेशनल सिक्यूरिटी एड्वाइज़री बोर्ड (एनएसएबी) को एनएसएस तैयार करने का काम सौंपे और वार्षिक समीक्षा को संस्थागत रूप दे। माना जाता है कि एनएसए के अधीन काम करने वाले एनएसएबी में बहुपक्षीय प्रतिनिधित्व है। इसमें सरकार के बाहर के लोग हैं, मुख्यतः सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी और निजी क्षेत्र तथा शैक्षिक क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हैं।

एनएसएस के निर्माण के लिए एनएसएबी उपयुक्त मंच है क्योंकि यह नीति निर्माण की सर्वोच्च स्थिति में है। यह जरूरी विशेषज्ञता हासिल कर सकता है और खुफिया जानकारियां तथा सूचनाएं हासिल कर सकता है। के. सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व वाले प्रथम एनएसएबी ने भारत का परमाणु सिद्धांत बनाया था। यह सिद्धांत आज तक अपने मूल रूप में कायम है, यह एनएसएबी की क्षमता का प्रमाण है। यह तर्क दीर्घकालिक योजना के लिए कारगर नहीं हो सकता कि भारत 'एनएसएस' के बिना भी अच्छी तरह काम चला रहा है। उच्च स्तरीय सैन्य नेतृत्व का चयन राजनीतिक नेतृत्व का विशेषाधिकार है, लेकिन यह चयन मुख्यतः पेशेगत क्षमता पर आधारित होना चाहिए। सैन्य विशेषज्ञता रखने वालों की ओर से साफ सलाह आनी चाहिए और उन्हें नेताओं का जी-हुजूर नहीं होना चाहिए। इसके लिए ज़रूरी है कि सैन्य नेतृत्व निजी हितों की जगह राष्ट्रीय हितों के बारे में पेशेगत धारणा को तरजीह दे। राजनीतिक नेतृत्व इस तथ्य के प्रति संवेदनशील रहे कि सैन्य नेतृत्व के चयन में वरिष्ठता को लांघने का मामला अपवाद ही हो। नियमों का उल्लंघन करने का जो माहौल है उसे खत्म किया जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और उसके आनुषंगिक राष्ट्रीय प्रतिरक्षा रणनीति पर आधारित राजनीतिक मार्गदर्शन की लंबे समय से प्रतीक्षा है। ऐसी कमजोरियां अक्सर अनावश्यक समस्याएं पैदा करती हैं, जैसे सेना के उच्च पदों के लिए चयन में राजनीतिक दबदबा; सीडीएस पर कई जिम्मेदारियों का बोझ, जो सलाहकार के रूप में उनकी भूमिका को प्रभावित कर सकता है; और थिएटर कमांड के गठन में देरी। इन कारकों का सेना की तैयारियों और उसके प्रभाव पर जो नकारात्मक असर पड़ेगा उस पर विचार करते हुए नयी सरकार को तेज़ी से कदम उठाना चाहिए ताकि वैश्विक तथा क्षेत्रीय भू-राजनीतिक तनावों के गहराते सायों के मद्देनजर राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सके।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

योगमय हुआ देश, आम और खास दोनों ने जमाया आसन

पीएम मोदी ने श्रीनगर की डल झील के किनारे किया योग

लोगों के साथ ली सेल्फी, सेना के जवानों का बार्डर पर योग

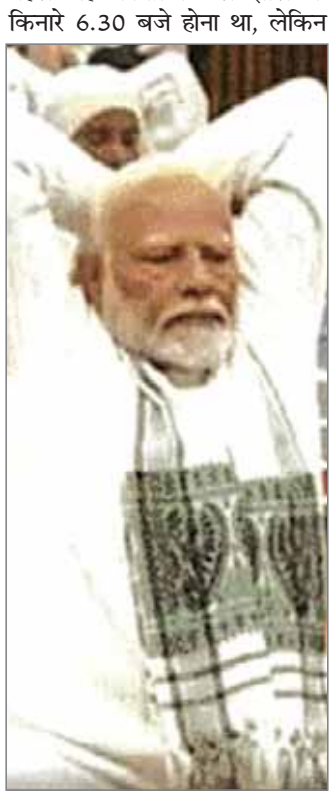

श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर में योग किया। पहले यह कार्यक्रम डल झील के किनारे 6.30 बजे होना था, लेकिन बारिश की वजह से इसे हॉल में शिफ्ट कर दिया गया। यह सुबह करीब 8 बजे शुरू हो पाया। हॉल में करीब 50 लोग और हॉल के बाहर करीब 7 हजार लोगों ने पीएम मोदी के साथ-साथ योग के मुश्किल आसन किए। इसके अलावा आईएनएस विक्रमादित्य पर नौसेनिकों ने सुबह करीब 7 बजे योग किया। लद्दाख में चीन से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब पैंगॉन्ग झील के किनारे सेना के जवानों ने अलग-अलग आसन कर 10वां योग दिवस मनाया। 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून के दिन को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। तब से इसे अलग-अलग थीम पर मनाया जा रहा है। इस बार की थीम योगा फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी है। पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जम्मू-कश्मीर में हैं। 2013 के बाद से यह उनकी जम्मू-कश्मीर की 25वीं यात्रा है। वहीं 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद 7वीं यात्रा है। चुनाव आयोग सितंबर में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाने की तैयारियां कर रहा है। ऐसे में पीएम मोदी का यहां जाना और योग दिवस जैसे इंटरनेशनल इवेंट में शामिल होना पॉजिटिव मैसेज माना जा रहा है। उन्होंने कहा- कश्मीर के लिए योग आकर्षण का केंद्र बन सकता है। आज मौसम ने चुनौतियां पैदा कीं। कई बेटियों ने योगा मेट को बारिश से बचने के लिए उपयोग किया, लेकिन बेटियां गईं नहीं। यहीं डटी रहीं।

सुप्रभात

मेरे गीतों में आता है
मौन तुम्हारा आखर बनकर ।
लिखता हूँ अनबूझे आंसू
तीखे हैं, खारे हैं कितने।
टूटे ख़्वाब सुनहरे, प्यारे
जीते हैं, हारे हैं कितन।
फिर भी तिनका उम्मीदों से
बना लिया घर, सब कुछ सहकर।
कथ्यों में संघर्ष तुम्हारे
खुद ही चलकर आ जाते हैं।
छंद, कसकती पीड़ाओं के
तन्हाई को गा जाते हैं।
नहीं शिकायत तुम्हें किसी से
विश्वासों में विष भी पीकर।
शब्द नहीं हैं ,बिम्ब नहीं हैं
मनगढ़ंत ख़यालों वाले।
नवगीतों ने व्यक्त किए हैं
दुख, भीगे रूमालों वाले।
स्वयं प्रकाशित दीपक हैं यह
तेज़ हवाओं में भी जलकर।
मेरे गीतों में आता है
मौन तुम्हारा आखर बनकर।

- रघुवीर शर्मा

नीट काउंसलिंग पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का फिर इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से फिर एक बार इनकार कर दिया है। शुक्रवार को एक स्टूडेंट ने याचिका लगाई। उसका कहना था कि 773 कैंडीडेट्स बिना ग्रेस मार्क्स पाए फेल हुए हैं। पूरी परीक्षा रद्द कर दोबारा कराई जाए। 8 जुलाई को केस पर सुनवाई होनी है ऐसे में 6 जुलाई से शुरू हो रही काउंसलिंग भी 2 दिनों आगे बढ़ाई जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

कहा-

काउंसलिंग 6 जुलाई से शुरू होगी, कैंडीडेट्स के पास मॉडिफिकेशन का ऑप्शन रहेगा

हालांकि, रीएग्जाम की मांग पर एनटीए से 2 हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है। नीट मामले पर सुप्रीम कोर्ट में 20 जून को हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और और जस्टिस संदीप मेहता की वेकेशन बेंच ने नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। बेंच ने केस में सीबीआई जांच की मांग को खारिज किया और कहा था कि सभी पक्षों को सुने बगैर हम सीबीआई जांच का आदेश नहीं दे सकते। 20 जून को हुई सुनवाई में मेघालय के कैंडीडेट्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर नीट एग्जाम कैंसिल हुआ तो काउंसलिंग भी रद्द हो जाएगी। इस याचिका में स्टूडेंट्स ने ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडीडेट्स में उन्हें भी शामिल करने की मांग की। उनका कहना था कि सेंटर में उनके भी 45 मिनट खराब हुए थे। ऐसे में उन्हें भी ग्रेस मार्क्स मिलने चाहिए।

काशी में गंगा की लहरों से 2 फीट ऊपर जमाया आसन

150 बटुकों का सूर्य नमस्कार, मथुरा में हेमा का प्राणायाम

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में शुक्रवार को 10वें योग दिवस पर सीएम योगी ने राजभवन में योग किया। उन्होंने कहा- योग सभी के लिए है, इसमें कोई भेदभाव नहीं है। मानवता के अनुकूल है। एक संपूर्ण विधा है। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। गाजजियाबाद में मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर और बागपत के पूर्व सांसद सत्यपाल सिंह (69) ने मोदीनगर के पतंजलि वेलनेस सेंटर में वृक्षासन किया। काशी में विश्वनाथ धाम और गंगा घाट पर योग किया गया। यहां गंगा के पंचगंगा घाट पर धीरज गोस्वामी ने जल योग की क्रियाएं की। वह योग करते हुए गंगा की लहरों में दो फीट ऊपर उछल गए। धीरज वाराणसी में फोटोग्राफी और गाइड का भी काम करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर किया योगाभ्यास

योग को लोकप्रिय बनाने की यात्रा में श्रीअन्न नया पड़ावः मुख्यमंत्री

प्रदेश में 11 आयुर्वेदिक महाविद्यालय खोलने का निर्णय अहम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री निवास में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में योगाभ्यास किया और कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशिष्ट अतिथिगण और उपस्थित विद्यार्थियों एवं नागरिकों के साथ योग अभ्यास किया। योग दिवस में प्रमुख जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित थे। इनमें भोपाल संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री आलोक शर्मा, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, भोपाल नगर निगम के अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री संजय शुक्ला, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री राघवेंद्र कुमार सिंह, प्रमुख सचिव आयुष और स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी, जनसंपर्क आयुक्त श्री संदीप यादव शामिल हुए। इस कार्यक्रम से प्रदेशभर में मंत्रिगण, सांसद, विधायक और आमजन जुड़े।

योग विद्या ही नहीं विज्ञान हैः प्रधानमंत्री - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा श्रीनगर से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : 2024 को दिए गए संबोधन का श्रवण किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि योग से व्यक्ति को शक्ति मिलती है। योग विद्या ही नहीं विज्ञान है। यह एकाग्रता लाने में सहायक है। मन की ताकत को बढ़ाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पूरे विश्व के योग प्रेमियों को और दुनिया के कोने-कोने में योग कर रहे लोगों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्रसंघ में 10 वर्ष पूर्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्ताव को विश्व के 177 देशों ने समर्थन दिया था। योग से जुड़े नए-नए रिकार्ड बन रहे हैं। योग करने वालों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। जेलों में भी कैदियों द्वारा योग किया जा रहा है। योग की यह प्रेरणा मनुष्य के सकारात्मक प्रयासों को ऊर्जा देती है। अनेक देशों में योग जीवन का हिस्सा बन चुका है। वयोवृद्ध लोग भी योग कर रहे हैं। विश्वविद्यालयों में योग पर शोध कार्य हो रहे हैं। अन्य देशों के पर्यटक भारत में योग शिक्षण-प्रशिक्षण के उद्देश्य से आते हैं। आज बाजार में भी योगाभ्यास और फिटनेस के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं। कार्यक्रम को केंद्रिय आयुष राज्यमंत्री श्री प्रताप राव जाधव ने भी संबोधित किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने बनाया योग को लोकप्रिय - मुख्यमंत्री डॉ. यादव- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योग का अर्थ जुड़ाव है। मन और आत्मा का जुड़ाव। आत्मा का चेतना से जुड़ाव और हमारे खान-पान, रहन-सहन और आचार-विचार से भी योग का संबंध है। इस नाते योग से इस वर्ष श्रीअन्न को भी जोड़ा गया है। योग को लोकप्रिय बनाने के प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयास भलीभूत हो रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र संघ में योग दिवस का प्रस्ताव रखा था, जिसे सर्वानुमति से सभी राष्ट्रों ने स्वीकार किया।

प्रदेश में श्रीअन्न उत्पादकों को प्रोत्साहन राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोदो-कुटकी सहित सभी तरह के मोटे अनाज अर्थात् श्रीअन्न के उत्पादन को प्रोत्साहित किया गया है। करीब छह माह पूर्व जबलपुर में मंत्रिपरिषद की बैठक में पहला फैसला श्रीअन्न के प्रोत्साहन पर लिया गया था। महाकौशल अंचल में बहुतायत से श्रीअन्न का उत्पादन होता है। किसानों को प्रति क्विंटल एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ्य की दृष्टि से श्रीअन्न का महत्व हम सभी कोरोना काल में ही समझ चुके हैं। व्यक्ति आहार, विचार और व्यवहार के स्तर पर नियमित रहकर दीर्घायु प्राप्त कर सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के प्रारंभ में श्रीअन्न संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में इस अभियान के अंतर्गत संचालित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को दो किसानों ने श्रीअन्न बीज के पैकेट भेंट किए।

सामूहिक योग अभ्यास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उपस्थित जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में योगाभ्यास किया। अनेक आसन और श्वांस से जुड़े अभ्यास किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी और नियमित रूप से योग करने का आग्रह किया।

प्रमुख सचिव आयुष एवं स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष योग दिवस पर योग स्वयं और समाज के लिए थीम निर्धारित की गई है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 42.5°c
न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 22 जून 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
— चाणक्य नीति

टैगोर कला केन्द्र और नाट्य विद्यालय ने विश्व संगीत दिवस पर रचा सुरीला समागम

'लोकराग' में भीगी छत्तीसगढ़ी धुनों पर थिरक उठा माहौल

भोपाल (नप्र)। पंडवानी की लरजती हुंकार, भरथरी की करूण पुकार और चंदेनी की प्रेमिल फुहार जब छत्तीसगढ़ की मटियारी गुंजार लिए माहौल में फैली तो जैसे पोर-पोर उस लोक राग में भीग उठा। ताल पर ताल देते श्रोता परम्परा के संगीत पर निहाल हो उठे। सतरंगी बौछारों से गमकते इस सुहाने मंजर में अचानक आसमान से झरते बादलों ने अनूठी गमक घोल दी।

टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र, आरएनटीयू ने विश्व संगीत दिवस पर देशज संगीत की सभा 'लोकराग' की यह अनूठी दावत दी। खैरागढ़ से आए सुप्रसिद्ध लोक गायक डॉ. परमाननद पाण्डे ने अपने साथी जानेश्वर टांडीया के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के सौंधे गीत-संगीत की सुमधुर प्रस्तुति दी।

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और विश्वरंग के सहयोग से मुक्तधारा सभागार में आयोजित था यह सुरीला समागम। इस विशेष प्रसंग पर वरिष्ठ कला समीक्षक विनय उपाध्याय ने भारतीय संगीत की विरासत, दर्शन, आध्यात्म और बदलते दौर में उसके वैश्विक विस्तार पर अपना सारगर्भित वक्तव्य दिया।

विनय उपाध्याय ने कहा कि सुर सारी दुनिया को कुदरत की नेमत की तरह मिला है लेकिन भारत एक मात्र ऐसा देश है जिसने गहरी साधना से संगीत में इसे प्रार्थना की तरह पाया। यही वजह है कि उत्सव में यह आनंद है तो अवसाद में औषधी की अमृत धारा बनकर जीवन को महका देता है। दुर्भाग्य से बेचैन, बदहवास और भटकन के इस दौर में संगीत रूह का चैन नहीं सिर्फ़ देह का सतही आनंद रह गया है। टेक्नालॉजी ने सरहदों के फासले तो कम किये हैं पर शोर भरे बीहड़ में सच्चे सुरों की तलाश कठिन हो गयी।

आरंभ में टैगोर विश्वविद्यालय की प्रो. वॉइस चांसलर डॉ. संगीता जौहरी, डीन डा. रूचि मिश्रा तिवारी, नाट्य विद्यालय के निदेशक मनोज नायर और संगीतकार संतोष कौशिक ने डा. परमानन्द पाण्डे का सारस्वत अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन अमित गुप्ता और अनुराग तिवारी ने किया। आभार विक्रांत भट्ट ने व्यक्त किया।

सप्रे संग्रहालय में ई-लाइब्रेरी का शुभारंभ 24 जून को

भोपाल (नप्र)। माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल में 24 जून को पूर्वाह्न 10 बजे पं. रामेश्वर दास गार्गव स्मृति ई-लाइब्रेरी का शुभारंभ होगा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. के.जी. सुरेश अध्यक्षता करेंगे। हरदा के प्रतिष्ठित समाजसेवी पं. गार्गव ने शिक्षा के प्रसार, सामाजिक समरसता, कुरीतियों के निवारण के लिए जीवन पर्यंत कार्य किया। नर्मदा चैरिटेबल पब्लिक ट्रस्ट ने पं. गार्गव की स्मृति में सप्रे संग्रहालय में ई-लाइब्रेरी की स्थापना में सहयोग किया है।

माधवराव सप्रे राष्ट्रीय पत्रकारिता पुरस्कार- वर्ष 2024 के 'माधवराव सप्रे राष्ट्रीय पत्रकारिता पुरस्कार' से श्री सतीश सिंह, संपादक दैनिक भास्कर को सम्मानित किया जाएगा। श्री सिंह ने गुजराती, मराठी और अंग्रेजी माध्यम में भी कार्य किया है। पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, गुजरात और महाराष्ट्र में भी पत्रकारिता का आपको अनुभव है।

बाल पुस्तकालय की नन्हीं रचनाकार को महेश गुप्ता सृजन सम्मान- 'महेश गुप्ता सृजन सम्मान' कु. मुस्कान अहिरवार को प्रदान किया जाएगा। मुस्कान ने नौ वर्ष की आयु में दुर्गा नगर झुग्गी बस्ती के बच्चों के लिए किताबें घर के बाहर तार पर लटका दी थी। यहीं से किताबी मस्ती लाइब्रेरी की शुरुआत हुई। अब यह पाँच हजार पुस्तकों की लाइब्रेरी और अध्ययन केन्द्र है।

संक्षिप्त समाचार

शराब नीति केस में केजरीवाल अभी नहीं हो पाए रिहा

● एचसी ने फैसला रखा सुरक्षित रखा, ईडी ने किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति केस में अरविंद केजरीवाल अभी जेल से बाहर नहीं आएंगे। दिल्ली हाईकोर्ट की वैकेशनल बेंच ने शुक्रवार को ईडी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि हम दलीलों पर विचार कर रहे हैं। सोमवार-मंगलवार (24 या 25 जून) को हम फैसला सुनाएंगे। तब तक राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले पर रोक रहेगी। दरअसल, 20 जून को शाम 8 बजे राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी थी। जस्टिस

न्याय बिंदु की बेंच ने कहा था कि ईडी के पास अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सीधे सबूत नहीं हैं। कोर्ट ने केजरीवाल को 1 लाख के बेल बॉन्ड पर जमानत दे दी थी। लोअर कोर्ट के फैसले के विरोध में ईडी ने 21 जून को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई।

एमसीयू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ योग

भोपाल (नप्र)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर चाणक्य भवन स्थित हॉल में सुबह 8.30 बजे योगाभ्यास का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के माखनपुरम स्थित नवीन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) के.जी.सुरेश, पीआईबी सीबीसी भोपाल के अपर महानिदेशक श्री प्रशांत पाठराबे ने भी योगाभ्यास में भाग लिया। यह आयोजन केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार, श्री श्री रविशंकर के आर्ट ऑफ लिविंग एवं एमसीयू के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। आर्ट ऑफ लिविंग के योगगुरु अजीत भास्कर एवं विश्वविद्यालय के सांध्यकालीन पाठ्यक्रम के योग शिक्षक देवेन्द्र शर्मा ने योग के बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को योग के विभिन्न आसान कराए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ) के. जी. सुरेश ने कहा कि योग करने से शरीर में ऊर्जा एवं स्फूर्ति बनी रहती है और शरीर सदा स्वस्थ बना रहता है।

पूर्व जज ओमप्रकाश सुनरया माखनलाल चतुर्वेदी विवि में लोकपाल नियुक्त

भोपाल (नप्र)। सेवानिवृत प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश सुनरया माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में लोकपाल नियुक्त किए गए हैं । यूजीसी द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों के परिपालन में जारी विज्ञापन के आधार पर प्राप्त आवेदनों का विश्वविद्यालय में गठित समिति की अनुशंसा अनुसार श्री सुनरया, लोकपाल के पद पर नियुक्त किए गए हैं । श्री सुनरया की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 3 वर्ष की अवधि तक के लिए है । श्री सुनरया विश्वविद्यालय के पहले लोकपाल होंगे । विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश ने कहा कि लोकपाल की नियुक्ति के आदेश चुनाव आचार संहिता के चलते जारी नहीं किए जा सके थे। चुनाव सम्पन्न होने के बाद 7 जून को लोकपाल की नियुक्ति के आदेश विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए जा चुके हैं। प्रो.सुरेश ने कहा कि इस संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को भी जानकारी दी जा चुकी है।

एमपी-झारखंड समेत 6 राज्यों में एक साथ हो गई एंट्री

आ गया मानसून!

अबकी जमकर बरसेंगे बदरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम मानसून 10 दिन थमे रहने के बाद शुक्रवार 21 जून को मध्य प्रदेश पहुंच गया। मध्य प्रदेश में मानसून डिंडौरी के रास्ते आया। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून महाराष्ट्र-विदर्भ के हिस्सों, छत्तीसगढ़, ओडिशा, गांगेय पश्चिम बंगाल, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल और झारखंड में भी पहुंच गया है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत 14 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, बीते कुछ दिन से 43-45 डिग्री टेम्परेचर झेल रही दिल्ली में भी बारिश हुई और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। आईएमडी ने ये भी बताया कि देश में अब तक (1 से 20 जून तक) 77 मिमी बारिश हुई। यह इस दौरान होने वाली बारिश से 17 फीसदी कम है। 1 से 20 जून तक देश में 92.8 मिमी बारिश हो जाती है। दक्षिण-पश्चिम मानसून निकोबार में

19 मई को पहुंच गया था। केरल में इस बार दो दिन पहले, यानी 30 मई को, ही मानसून पहुंच गया था और कई राज्यों को कवर भी कर गया। फिर 12 से 18 जून तक (6 दिन) मानसून रुका रहा। इसके चलते उत्तर भारत में हीटवेव चल रही है। मानसून 12 जून तक केरल, कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को पूरी तरह कवर कर चुका था। साथ ही दक्षिण महाराष्ट्र के ज्यादातर हिस्सों, दक्षिणी छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों, दक्षिणी ओडिशा, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और सभी पश्चिमोत्तर राज्यों में पहुंच गया था। 18 जून तक मानसून गुजरात के नवसारी, महाराष्ट्र के जलगांव, अमरावती, चंद्रपुर, छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा, ओडिशा के मलकानगिरी और आंध्र प्रदेश के विजयनगरम तक पहुंचा। मौसम विभाग का अनुमान है कि जून में मानसून सामान्य से कम यानी 92 फीसदी लंबी अवधि के औसत से कम रहेगा। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम में असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

लोकसभा के बाद विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा ईसी

● सबसे पहले वोटर्स लिस्ट पर कर रहा काम, चार राज्यों में शुरू की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव-2024 खत्म होने के बाद अब चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसे देखते हुए सबसे

पहले इन चारों राज्यों की वोटर लिस्ट को अपडेट करने का काम शुरू किया जा रहा है। इसमें जो भी नौजवान 1 जुलाई को 18 साल के हो रहे हैं। वह भी अपना नाम वोटर लिस्ट अपडेट करने के इस स्पेशल समरी रिवीजन के माध्यम से जुड़वा सकते हैं। आयोग ने बताया कि इसके लिए बीएलओ हर घर में जाकर सुनिश्चित करेंगे कि वहां वोटर थे।

प्रतिष्ठित 'शताब्दी सम्मान-2023' से अलंकृत होंगे संतोष चौबे

भोपाल (नप्र)। श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति का प्रतिष्ठित 'शताब्दी सम्मान-2023' संतोष चौबे, वरिष्ठ कवि कथाकार, निदेशक, विश्व रंग एवं कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल को प्रदान किया जाएगा। श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति द्वारा शीघ्र ही आयोजित होने वाले भव्य एवं गरिमापूर्ण समारोह में श्री संतोष चौबे को 'प्रतिष्ठित शताब्दी सम्मान-2023' से अलंकृत किया जाएगा। इस अवसर एक लाख रुपये सम्मान निधि और मानपत्र प्रदान किया जाएगा।

साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और कौशल विकास के क्षेत्र में पाँच दशकों से सक्रिय श्री संतोष चौबे जी ने अपने अथक रचनात्मक सृजनात्मक प्रयत्नों से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट पहचान कायम की है। भारतीय इंजीनियरिंग सेवा तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए चयनित श्री संतोष चौबे जी वर्तमान में 'विश्व रंग' महोत्सव के निदेशक, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय के चांसलर हैं तथा आईसेक्ट नेटवर्क, राज्य संसाधन केन्द्र, वनमाली सृजन पीठ एवं टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला केन्द्र के अध्यक्ष हैं।

उल्लेखनीय है कि श्री संतोष चौबे हिन्दी साहित्य भाषा के वैश्विक प्रसार-प्रचार के लिए लेखन के साथ-साथ विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सतत सक्रिय हैं। इसके साथ ही विज्ञान, तकनीकी और कौशल विकास के क्षेत्र में भी आप अनवरत महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इन्होंने पिछले पचास वर्षों में पूरे भारत में चालीस हजार से अधिक प्रशिक्षण एवं सेवा केन्द्रों का नेटवर्क स्थापित किया जो हजारों लोगों को रोज़गार देने के अलावा डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में भागीदारी कर रहा है।

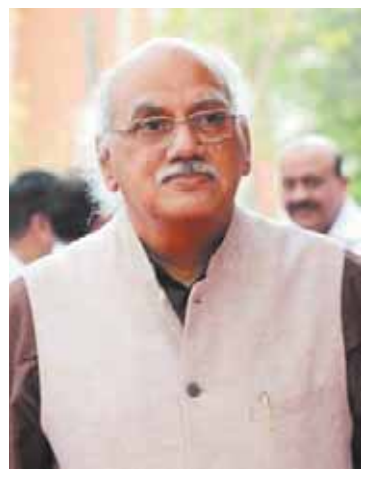

कवि-कथाकार, उपन्यासकार, संपादक और अनुवादक श्री संतोष चौबे अपने अभिनव रचनात्मक प्रकल्पों और नवाचारों के लिए वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। उन्होंने हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रसार के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय 'विश्वरंग' महोत्सव की वर्ष 2019 में भोपाल से शुरुआत की जिसके आज 50 से अधिक सदस्य देश हैं।

हाल ही में उन्हें फ्रांस में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय 'भारत गौरव सम्मान-2024' से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व लंदन में 'वातायन यू.के. अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मान 2023' और अमेरिका के प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा 'लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड-2023' से सम्मानित किया गया।

श्री संतोष चौबे को कविता (कहीं और सच होंगे सपने) के लिए मध्यप्रदेश साहित्य परिषद् का दुष्यंत कुमार पुरस्कार, आलोचना (कला की संगत) के लिए स्पंदन आलोचना सम्मान, अनुवाद (मास्को डायरी) के लिए मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का पुरस्कार एवं उपन्यास (जलतरंग) के लिए शैलेश मटियानी तथा अन्तरराष्ट्रीय वैली ऑफ वर्ड्स पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। समग्र साहित्यिक अवदान के लिए उन्हें राष्ट्रीय दुष्यंत एवं शिवमंगल सिंह सुमन अलंकरण आदि प्राप्त हुए हैं।

प्रख्यात साहित्यकार पद्मश्री डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी को भी शताब्दी सम्मान2023 से सम्मानित किया जाएगा। पूर्व में यह प्रतिष्ठित शताब्दी सम्मान डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित, डॉ. रामदरश मिश्र, डॉ.प्रभाकर श्रोत्रिय, श्री जी. गोपीनाथन, डॉ. प्रभात कुमार भट्टाचार्य, डॉ.विजय बहादुर सिंह, डॉ. कमकिशोर गोयनका, पद्मश्री डॉ. रमेशचंद्र शाह, श्री बलराम, श्रीमती चित्रा मुद्गल, डॉ. दामोदर खड़से, प्रो. रमेश दवे, श्रीमती ज्योत्सना मिलन, पद्मश्री डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी, डॉ. श्यामसुंदर दुबे, डॉ. जयकुमार जलज, श्री शिवनारायण, डॉ. कृष्ण अग्निहोत्री, पद्मश्री मालती जोशी, श्री बी.एल. आच्छा, श्री राजकुमार कुंभज, डॉ. देवेंद्र दीपक और डॉ.अग्नि शेखर को प्रदान किया गया है।

प्रतिष्ठित शताब्दी सम्मान 2023 के लिए श्री संतोष चौबे जी को विश्व रंग टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव, विश्व रंग सचिवालय, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र, प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केन्द्र, टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय, बिलासपुर, खंडवा, वैशाली, आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग, आईसेक्ट पब्लिकेशन, वनमाली सृजन पीठ, समस्त वनमाली सृजन केंद्रों तथा साहित्य, कला संस्कृति की सहयोगी संस्थाओं ने हार्दिक बधाई दी है।

यूपी में भर्ती परीक्षा केंद्रों पर बड़ा फैसला, बन गई नीति

● सीएम योगी की रणनीति से अब छूटेंगे नकल माफियाओं के पसीने ● प्रश्न पत्रों की छपाई और एजेंसी चयन को लेकर भी नियम हुए सख्त ● परीक्षा केंद्रों पर शिक्षक और अभ्यर्थियों को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली भर्ती परीक्षाओं को लेकर अब योगी आदित्यनाथ सरकार सख्त एक्शन मोड में है। भर्ती परीक्षाओं के दौरान पेपर लीक मामलों ने योगी सरकार की छवि पर सवाल खड़ा किया है। ऐसे में सीएम योगी आदित्यनाथ ने परीक्षा केंद्रों के गठन को लेकर बड़े आदेश जारी किए हैं। यूपी में आयोजित होने वाली भर्ती परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र अब रेलवे स्टेशन से 10 किलोमीटर की परिधि के दायरे में ही होंगे। पहले ही सीएम योगी ने परीक्षा केंद्रों के निर्धारण को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए थे। अब स्टेशन से 10 किलोमीटर की परिधि में परीक्षा केंद्रों के बनाए जाने से वहां की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। ऐसे में

माना जा रहा है की परीक्षा के दिन इन केंद्रों तक प्रश्न पत्र आसानी से पहुंचाया जा सकेगा। पहले दूरस्थ इलाकों में परीक्षा केंद्र बनाए जाने से पहले ही प्रश्न पत्र भेजना होता था। इसमें प्रश्न पत्र लीक होने की संभावना अधिक रहती थी। इस प्रकार की स्थिति को देखते हुए अब परीक्षा केंद्रों के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पेपर लीक जैसी स्थिति पर लगाम लगाने और परीक्षाओं में धांधली खत्म करने के लिए नई नीति जारी कर दी गई है। परीक्षा केंद्रों को बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और जिला कोषागार से 10 किलोमीटर के भीतर रखना अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही एग्जाम सेंटर को 3 साल परीक्षा करने का अनुभव होना जरूरी कर दिया गया है। शहर की आबादी के भीतर परीक्षा केंद्र रहना अनिवार्य किया गया है।

डीएम कमेटी करेगी केंद्र का चुनाव

परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी चालू अवस्था में होना जरूरी किया गया है। डीएम की अध्यक्षता में समिति बनाकर परीक्षा केंद्रों का चुनाव किया जाएगा। श्रेणी ए में राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय डिग्री कॉलेज, राज्य एवं केंद्र के विशवविद्यालय, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग एवं मेडिकल कॉलेज को रखा गया है। वहीं, श्रेणी बी में इसी दर्जे के ख्याति प्राप्त सुविधासंपन्न एडेड स्कूलों और कॉलेजों को केंद्र बनाया जाएगा। काली सूची में दर्ज विवादित स्कूल और कॉलेजों को किसी भी स्थिति में परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। परीक्षाओं के प्रश्न पत्र छपाई करने वाले प्रिंटिंग प्रेस को लेकर भी गाइडलाइन जारी कर दी गई है। नई नीति में साफ किया गया है कि प्रिंटिंग प्रेस के चुनाव में पूरी गोपनीयता बरती जाएगी। प्रेस में आने और जाने वाले सभी लोगों की जांच होगी। सभी के पास पहचान पत्र जरूरी किया गया है। प्रेस में कैमरा और मोबाइल फोन ले जाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। प्रेस के चारों तरफ सीसीटीवी कैमरा होना अनिवार्य किया गया है। उसकी रिकॉर्डिंग को हर साल सुरक्षित रखना होगा। परीक्षा आयोजन कराने वाली एजेंसी के चुनाव में भी पूरी गोपनीयता बरतने का निर्णय लिया गया है।

भारत-पाक में सीधी बातचीत हो, हमारे लिए दोनों अहम

● अमेरिका ने कहा, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रिश्ते सुधरने की उम्मीद जताई थी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने कहा है कि वो भारत और पाकिस्तान के बीच 'सीधी बातचीत' चाहता है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने गुरुवार को कहा कि हम चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत का स्कोप, पेस और कैरेक्टर उनकी ही शर्तों पर हो, हमारे हिसाब से नहीं। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका दोनों देशों के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है। एक अन्य सवाल के जवाब में मैथ्यू मिलर ने कहा कि क्षेत्रीय खतरे से निपटने के लिए अमेरिका और पाकिस्तान दोनों का एक साझा लक्ष्य है। मैथ्यू मिलर ने कहा,हम सिक्योरिटी के मुद्दे पर एक हाई लेवल काउंटरटेररिज्म डायलॉग के जरिए पाकिस्तान के साथ जुड़े हुए हैं। हम आंतकवाद के खिलाफ मुहिम में पाकिस्तानी नेताओं के साथ नियमित रूप से बातचीत करते आ रहे हैं। इसके जरिए हम क्षेत्रीय सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा करना जारी रखेंगे। हाल के कुछ महीनों में ऐसे संकेत मिले हैं जिसमें पाकिस्तान ने भारत के साथ व्यापार संबंध बहाल करने की इच्छा जताई है। पाकिस्तान ने अगस्त 2019 में आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद भारत के साथ व्यापार को एकतरफा तरीके से रोक दिया था।

इंदौर में पीएससी छात्र के ट्रेन से कुचलने का वीडियो आया

जनरल डिब्बे में चढ़ने के लिए टूटी थी भीड़, धक्कामुक्की में प्लेटफार्म से फिसला

इंदौर (नप्र)। इंदौर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर पीएससी स्टूडेंट की ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच कुचलने से मौत हो गई। घटना 18 जून की रात की है। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। हावड़ा एक्सप्रेस के प्लेटफॉर्म पर आते ही भीड़ की धक्कामुक्की में स्टूडेंट के प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच आने के बावजूद, लोग ट्रेन पकड़ने की होड़ में ही लगे रहे। जब उसे बाहर निकाला गया तब उसकी हालत गंभीर थी। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया था।फुटेज 18 जून की रात 10.49 बजे के हैं। जनरल कोच में सीट रोकने के लिए चढ़ते वक्त छात्र का पैर फिसला और धक्कामुक्की में गेट के हैंडल से हाथ छूट गया और वह प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच गेप में फंस गया। स्टेशन स्टाफ को सूचना मिली तो ट्रेन रुकवाई गई और घायल छात्र को अस्पताल लाया गया। अंदरूनी चोट लगने से उसी रात उसकी मौत हो गई।

हादसा नहीं होता तो 23 जून को पेपर देता

मृतक का नाम लोकेंद्र कुमार (26) पिता विजय पाठक निवासी संदेड़ी ग्राम, जिला पन्ना है। वह खंडवा रोड पर रहता था। एमपी पीएससी की तैयारी कर रहा था। उसका 23 जून को पेपर था, इसलिए उसने परीक्षा सेंटर के रूप में अपने गृह क्षेत्र पन्ना का ही चयन किया था। 18 जून की रात वह हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने के लिए इंदौर स्टेशन पहुंचा। पुलिस के अनुसार उसका रिजर्वेशन नहीं था, इसलिए जनरल कोच में लिए चढ़ने लगा। लोकेंद्र के पीछे एक अन्य व्यक्ति भी चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में भीड़ के कारण गिरते-गिरते बचा।

कुचलने के बाद लोगों ने शोर मचा कर ट्रेन रुकवाई

वीडियो में दिख रहा है कि सीट के लिए भीड़ चलती ट्रेन में ही चढ़ने की कोशिश कर रही थी। धक्का-मुक्की में लोकेंद्र प्लेटफॉर्म और ट्रेन कोच के बीच फंस गया। ट्रेन स्लो स्पीड में थी इसलिए वह 360 डिग्री घूमते हुए ट्रेन के साथ खिंचता जा रहा था। उसके पीछे एक अन्य व्यक्ति भी गिरते-गिरते बचा। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि लोग उसे बचाने के बजाय धक्का-मुक्की ही करते रह गए। पुलिसकर्मी भी कुछ नहीं कर पाए।

ट्रेन रुकवाई लेकिन जान नहीं बच पाई

लोकेंद्र को गिरता देख कुछ लोगों ने शोर मचा कर ट्रेन रुकवाई। जब उसे बाहर निकाला तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। उसे देर रात एमवायएच ले जाया गया, वहां उसकी मौत हो गई। मृतक तीन बहनों में इकलौता बेटा था। हावड़ा एक्सप्रेस के प्लेटफॉर्म पर आते ही भीड़ की धक्कामुक्की में स्टूडेंट के प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच आने के बावजूद, लोग ट्रेन पकड़ने की होड़ में ही लगे रहे।

प्लेटफॉर्म और पटरी के बीच है कर्व

हेड कांस्टेबल अनिल जायसवाल ने बताया कि कई लोग जनरल कोच में सीट रोकने के लिए ट्रेन रुकने से पहले ही चढ़ने लगते हैं। लोकेंद्र ने भी वही किया। वह जहां से चढ़ने का प्रयास कर रहा था, वहां प्लेटफॉर्म और पटरी के बीच कर्व होने के साथ बड़ा गेप भी है। हड़बड़ाहट में लोकेंद्र का पैर फिसला, जिससे वह गेप में घुस गया था। इसी वजह से उसका हाथ पाइप से फिसला और वह गिर गया। चूंकि ट्रेन स्लो चल ही रही थी, इसलिए वह ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच में कुचल गया।

10 साल में 90 से ज्यादा मौतें, कई बार लिखे पत्र

जीआरपी के आंकड़ों के अनुसार 10 साल में इस गेप और जल्दबाजी में चढ़ने-उतरने में 90 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। यह कर्व खत्म करने के लिए कई बार डीआरएम से लेकर आला अफसरों को पत्र लिखे गए। इंजीनियरों से जांच भी करवाई, लेकिन समाधान नहीं हुआ। प्लेटफॉर्म नंबर-1 और 4 पर कर्व के कारण बड़े गेप हैं।

इंदौर सहित चार शहरों में स्टेट जीएसटी के छापे

इंदौर (नप्र)। स्टेट जीएसटी विभाग ने टैक्स चोरी के इनपुट मिलने के बाद इंदौर में आठ रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन कारोबारियों के यहां छापामार कार्रवाई की है। इसके साथ ही भोपाल, जबलपुर, सागर में कारोबारियों के यहां छानबीन चल रही है। प्रारंभिक तौर पर करीब 5 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी की जानकारी मिली है।अपर कमिश्नर रजनी सिंह ने बताया कि आठ कारोबारियों के मामले में पता चला था कि बड़े पैमाने पर कर चोरी की जा रही है। इस पर विभाग की टीम अभी छानबीन कर रही है। जिन स्थानों पर छापे मारे गए हैं, उसकी जानकारी जल्द ही उपलब्ध होगी।उधर, सूत्रों के मुताबिक कार्रवाई नरीमन पाइंट क्षेत्र स्थित ठिकानों, लाभम ग्रुप आदि स्थानों पर चल रही है। कारोबारियों के दस्तावेज और डेटा की छानबीन की जा रही है।

इंदौर एअरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

इंदौर (नप्र)। इंदौर एअरपोर्ट को एक बार फिर से उड़ाने को लेकर धमकी मिली है। इस मामले में एअरपोर्ट के मुख्य सुरक्षा अफसर ने थाने में आवेदन देकर केस दर्ज कराया है। एरोड्रम पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक एअरपोर्ट के मुख्य सुरक्षा अफसर करण पुत्र आलोक तिवारी ने एक आवेदन दिया था।

इंदौर में योग दिवस...

मंत्री विजयवर्गीय, महापौर ने किया योग

शारदा कन्या स्कूल में योग के लिए जुटे इंदौरी

इंदौर (नप्र)। इंदौर में 21 जून को दसवां विश्व योग दिवस मनाया जा रहा है। इस बार यह दिन स्वयं और समाज के लिए योग की थीम पर मनाया जा रहा है। मुख्य आयोजन बड़ा गणपति चौराहा स्थित गवर्नमेंट शारदा गर्ल्स हायर सेकण्डरी स्कूल में शुरू हुआ। यहां मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में योग किया गया। गोपुर चौराहा पर योग मित्र अभियान में मेयर पुष्यमित्र भार्गव की उपस्थिति में योग किया। इसमें भी काफी संख्या में लोग पहुंचे। इसके अलावा अभय प्रशाल में भी योग सेशन हुए। इसमें भी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने योगाभ्यास किया। यहां योग सेशन में कुछेक विदेशी भी शामिल हुए।

इंदौर पुलिस ने भी किया योग

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इंदौर पुलिस के रक्षित केंद्र पर एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और नागरिकों ने संयुक्त रूप से योग शिविर में हिस्सा लिया।

बिजली कंपनी एमडी व अफसरों-कर्मचारियों ने किया योग

बिजली कंपनी के एमडी अमित तोमर, मुख्य महाप्रबंधक श्री रिंकेश कुमार वैश्य व अन्य कर्मचारियों, अधिकारियों ने पोलोग्राउंड स्थित सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास गतिविधियों में सोत्साह भाग लिया। वहीं इंदौर में विदेशी छात्राओं ने भी योग कर उसके महत्व को समझा।

महापौर ने किया सूर्य नमस्कार

महापौर पुष्यमित्र भार्गव के योग मित्र अभियान के तहत इस भव्य योग सत्र में नगर निगम इंदौर के साथ संस्था योग मित्र, आरोग्य भारती, और आस्था योग केंद्र ने भी सहयोग किया। इस मौके पर मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कि योग हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी प्रदान करता है।मैं सभी नागरिकों से अनुरोध करता हूँ कि वे नियमित योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।'योग मित्र अभियान' के तहत आयोजित समारोह में सुप्रसिद्ध लोकनायक पद्मश्री कालूराम बामनिया और अंतर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक चेतना जोशी तिवारी भी मौजूद हैं।

योग दिवस पर क्या बोले विजयवर्गीय, सुनिए आज वर्ल्ड म्युजिक डे, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और श्री अन्न संर्वधन दिवस- मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि आज तीन विशेष दिन हैं। वर्ल्ड म्युजिक डे,अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और श्री अन्न सर्वधन दिवस। ये तीनों ही मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए मन शरीर और आत्मा को प्रसन्न करने के लिए खास होते हैं। मैं समझता हूं कि अपने जीवन को यदि स्वस्थ रखना है तो इन तीनों आयाम पर व्यक्ति को विशेष ध्यान देना चाहिए। इससे मनुष्य का मन शरीर स्वस्थ रहता है,साथ ही परिवार भी स्वस्थ रहेगा और समाज भी स्वस्थ रहेगा।

इंदौर में 140 योगा ग्रुप द्वारा गार्डन में कराया योगा

योग गुरुओं ने कराया योगा, योगाचार्यों का सम्मान कर छाछ का किया वितरण

इंदौर (नप्र)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्कीम नंबर 140 के गार्डन में 140 योगा ग्रुप द्वारा योगसाधकों को योग कराया गया। शिक्षित योग गुरुओं द्वारा सर्वप्रथम सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, प्राणायाम सहित कई योग कराए गए। इसमें बड़ी संख्या में योगसाधकों ने भाग लिया।

योग दिवस पर शामिल हुए योगा ग्रुप के सदस्य

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उपलक्ष्य में पिछले कुछ दिनों से निरंतर निपुर्ण व योग शिक्षित गुरुओं द्वारा स्कीम 140 के गार्डन में प्रतिदिन योग कराया जा रहा है। इसमें अशोक गुप्ता, वीरपाल, जयनारायण शर्मा, हरीश शालिग्राम, संजीव मेनन व अर्चना गुप्ता ने अहम भूमिका निभाई। साथ ही शुक्रवार को योग दिवस पर सभी गुरुओं का सम्मान भी किया गया। अंत में योग साधकों को छाछ का वितरण किया गया।

बड़ी संख्या में शामिल हुए योगसाधक

इस योग के संचालन में मुख्य भूमिका गुरुओं के साथ मुकेश गोस्वामी, संजय आहूजा ने निभाई।

इस योग के आयोजन में योग करने वालों में प्रदीप व्यास, मुकेश दशौरा, प्रदीप निगम, अरुण पटेल, कमल, सुनील, राकेश कुमावत, राजेश सोनी, रवि बुंदेला, श्री उपाध्याय, सुरेश भाटी, गजेंद्र गामी, संतोष चौधरी, दिनेश माली सहित कई सदस्यों ने भाग लिया।

इंदौर में तांत्रिक ने की शादीशुदा महिला से छेड़छाड़

प्रेतात्मा का डर दिखाकर संबंध बनाने का दबाव बनाया, बेटे को जान से मारने की दी धमकी

इंदौर (नप्र)। इंदौर की लसूड़िया पुलिस ने एक तांत्रिक के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया है। आरोपी जिस महिला का उपचार करने आता था, उसकी जेठानी से प्रेत आत्मा का डर दिखाकर गलत हरकत करते हुए संबंध बनाने का दबाव बनाया। आरोपी ने पीड़िता को डराया, जिसके चलते उसने घरवालों को कुछ नहीं बातया। अपनी मौसी को पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने पति और ससुर से बात की। इसके बाद आरोपी के खिलाफ गुरुवार रात केस दर्ज कराया गया। लसूड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक एक शादीशुदा महिला की शिकायत पर पुलिस ने सुमित तांत्रिक निवासी ललितपुर के खिलाफ छेड़छाड़ सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि उसके देवर की शादी फरवरी 2024 में हुई थी। सुसराल आते ही देवरानी की तबीयत बिगड़ने लगी। वह घर और गली में लोट लगाने लगी।

इस पर ससुराल के लोगों ने तांत्रिक सुमित को बुलाया। उसने पूजा पाठ की। इसके बाद देवरानी अपने मायके चली गई। कुछ दिन पहले वह मायके से आई, तो उसे फिर से वही बाधा परेशान करने लगी।ससुर ने सुमित को बुलाया वह देवरानी का उपचार करने कमरे में ले गया। करीब 3 घंटे बाद वह कमरे से बाहर निकला। पीड़िता ने बताया कि वह इस दौरान कमरे के बाहर खड़ी थी। बाहर निकल कर तांत्रिक सुमित ने उसे देखा और कहा कि तुम्हारे शरीर में भूत दिख रहा है। फिर हाथ पकड़ा और कमरे में ले गया। इसके बाद गलत हरकत करने लगा। पीड़िता ने बताया कि उसने तांत्रिक को रोका तो कहने लगा कि मेरे साथ संबंध बनाने पड़ेंगे। जिससे तुम्हारी गोद भर जाएगी। तुम्हारे भूत-चुड़ैल निकल जाएंगे। पीड़िता ने इसके बाद तांत्रिक को धक्का दिया और कमरे से बाहर आने लगी। तब तांत्रिक ने कहा कि यह बात किसी को बताई तो ठीक नहीं होगा। 4 साल के बच्चे को जान से खत्म कर देगा। बाहर आने के बाद डर के चलते ससुराल के लोगों को यह बात नहीं बताई। तांत्रिक भी ललितपुर चला गया। एक सप्ताह पहले मौसा-मौसी आए। तब पीड़िता उनके साथ मायके चली गई। यहां पहुंचकर उसने पूरी बात उन्हें बताई। उन्होंने पीड़िता के ससुर और पति से बात की। इसके बाद तांत्रिक पर केस दर्ज कराया गया।

9 वीं की स्टूडेंट से रिश्तेदार ने की हरकत

बाणगंगा में रहने वाली एक 9 वीं क्लास की स्टूडेंट के साथ उसके रिश्तेदार ने हरकत कर दी। छात्रा अपने दादा दादी के साथ रहती थी। रिश्तेदार ने उसे धमकाया भी लेकिन उसने बुआ को सब सच बता दिया। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शाजापुर के बिजनेसमैन की बेटी इंदौर में अपने दादा दादी के रहकर निजी स्कूल से पढ़ाई करती है। उसके फूफा अनुराग तीन साल की अपनी बेटी को लेकर छोड़ने घर आए थे। तब उन्होंने कमरे में पढ़ाई की बात करते हुए अश्लील हरकत की। छात्रा ने उनहें रोका तो वह थोड़ा बहुत मनोरंजन करने की बात कहने लगे। बाद में बच्ची घर के बाहर चली गई। फूफा ने उसे धमकाया कि यह बात किसी को नही बताए। लेकिन अपनी बुआ को पूरी बात बता दी। इसके बाद दादा दादी को जानकारी देकर केस दर्ज कराया।

बजरंग दल की महिला पदाधिकारी से छेड़छाड़

बाणगंगा पुलिस ने एक अन्य मामले में बजरंग दल की महिला पदाधिकारी के साथ छेड़छाड़ के मामले में केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि वह रात में 9 बजे अपनी सहेली के साथ घर जा रही थी। तभी दीपक वर्मा आया ओर पीछे से उसे पकड़ लिया ओर दोस्त कहने लगा। इस दौरान महिला पदाधिकारी के चिल्लाने पर पिता ओर अन्य लोग इकट्ठा हुए। उन्होंने थाने आकर केस दर्ज कराया।

इंदौर के कई इलाके प्री-मानसून बारिश से तर

सुबह से छाए बादल, कहीं बूंदाबांदी, तो कहीं हल्की बारिश हुई, इंदौर में मानसून की एंट्री चार-पांच दिनों में

इंदौर (नप्र)। इंदौर में जून के तीसरे हफ्ते में भी अभी प्री मानसून की गतिविधियां बनी हुई हैं। पिछले 24 घंटों में दिन का तापमान 36 डिग्री पर स्थिर है जबकि रात के तापमान में 1 डिग्री का इजाफा हुआ है। शुक्रवार सुबह से ही बादल छाए रहे। सुबह 10.30 बजे कुछ क्षेत्रों में बूंदाबांदी तो कहीं हल्की बारिश शुरू हुई, देर शाम भी बारिश जारी थी। दूसरी ओर प्रदेश में मानसून की एंट्री दो-तीन दिनों में संभावित है। इंदौर में चार-पांच दिनों में मानसून एंटर होने के आसार हैं। इसके तहत अभी तीन-चार दिन ऐसे ही बारिश होगी। बुधवार को दिन का तापमान 36.8 (+2) डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 24.2 (0) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। गुरुवार को दिन का तापमान 36.4 (+2) डिग्री सेल्सियस रहा। रात का तापमान 1 डिग्री बढ़कर 25 (+1) डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इन दिनों अभी दिन और रात में गर्मी का असर जरूर है। शुक्रवार को तो सुबह से धूप नहीं है और मौसम ठण्डा बना हुआ है।

इंदौर से दक्षिण भारत के लिए चलेगी भारत गौरव ट्रेन

4 सितंबर को इंदौर से निकलेगी, 10 दिन में पूरी होगी यात्रा

इंदौर (नप्र)। इंदौर से 4 सितंबर को दक्षिण भारत के लिए भारत गौरव ट्रेन रवाना होगी। इंडियन रेलवे टूरिज्म एंड कैटरिंग कॉर्पोरेशन यह यात्रा आयोजित कर रहा है। यह ट्रेन पर्यटकों को तिरूपति, रामेश्वरम, मदुरै, कन्या कुमारी और त्रिवेंद्रम के दर्शन कराएगी। इस पर्यटक ट्रेन में यात्री इंदौर के अलावा देवास, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, रानी कमलापति, इटारसी और नागपुर से सवार हो सकेंगे। ट्रेन की स्लीपर श्रेणी का प्रति व्यक्ति किराया 18 हजार 200, थर्ड एसी श्रेणी का 30 हजार 250 और सेकेंड एसी श्रेणी का किराया 40 हजार रुपए निर्धारित किया गया है। विशेष एलएचबी रैक वाली इस ट्रेन में लोगों को आरामदायक रेल यात्रा, ऑन बोर्ड और ऑफ बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और अच्छी बसों से दर्शनीय स्थलों की यात्रा, रुकने की व्यवस्था, टूर एस्कॉर्ट, यात्रा बीमा, सुरक्षा और हाउस कीपिंग जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट या इंदौर स्टेशन के प्लेटफॉर्म-एक स्थित केंद्र पर जाकर बुकिंग करवा सकते हैं।

संपादकीय

तमिलनाडु में जहरीली शराब से मौतें

देश में जहरीली शराब ने एक बार फिर कई जानों को लील लिया है। हर साल - चार राज्यों में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं होती हैं, लेकिन मामला मुआवजा, जांच, निलंबन आदि कर्मकांड के साथ समाप्त हो जाता है। इस बार जहरीली शराब ने दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में अपना रंग दिखाया है, वहां कल्लाकुरिची जिले के करूणापुरम गांव में जहरीली शराब पीने से 47 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में 24 एक ही गांव के हैं। 30 की हालत गंभीर है। उधर राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रू. तथा घायलों को 50-50 हजार रू. के मुआवजे की घोषणा की है। राज्य सरकार ने मामले की जांच सीआईडी को सौंप दी है। साथ ही कल्लाकुरिची डीएम श्रवण कुमार जातावत का तबादला और एसपी समय सिंह मीना को सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा कल्लकुरिची जिले की निषेध शाखा के पुलिसकर्मियों समेत 9 पुलिसकर्मियों को भी निलंबित किया गया है। इस घटना पर राजनीति भी शुरू हो गई है। विपक्ष ने राज्य विधानसभा में इस कांड को लेकर भारी हंगामा किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने केन्द्रीय मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर शराब कांड की सीबीआई जांच की मांग की है। साथ ही आरोप लगाया है कि इस कांड में राज्य सरकार भी शामिल है। इस बीच पुलिस जहरीली शराब के तीन आरोपियों को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस हादसे में कई लोगों ने अपने परिजनों को खो दिया है। पीड़ितों ने गांव में सरकारी शराब दुकान बंद करने की मांग की है। अन्नामलाई ने राज्य की एम.के. स्टालिन सरकार को घेरते हुए कहा कि उसने पिछले विस चुनाव में अपने घोषणा पत्र में राज्य में शराब की बिक्री चरणबद्ध तरीके से बंद करने का वादा किया था, लेकिन हकीकत में उल्टा हो रहा है। पिछले साल मई में भी तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम और चेंगलपट्टू जिले में हुई जहरीली शराब कांड में 23 लोगों की जान चली गई थी। यह मामला मद्रास उच्च न्यायालय भी पहुंच गया है। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके ने इस मुद्दे को लेकर पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। वैसे देश में जहरीली शराब का धंधा बहुत पुराना है, जो शराब माफिया, आबकारी विभाग और पुलिस की मिली भगत से फलता-फूलता रहता है। मौत के सौदागर कच्ची शराब को ज्यादा नशीला बनाने के लिए घातक कैमिकल मिलाते हैं। यही मिलावट मौत का कारण बनती है। इससे शरीर फार्मेक एसिड बनता है, जो पीने वाले की जान ले लेता है या फिर उसे अंधा अथवा अपंग बना देता है। इसी साल बिहार, गुजरात और मध्यप्रदेश में भी जहरीली शराब पीने से लोगों के असमय मौतें हो चुकी हैं। ऐसी घटनाओं पर तात्कालिक रूप से जरूर हायतौबा मचती है, लेकिन इसका कोई स्थायी इलाज नहीं होता। इसका बड़ा कारण यह है कि सस्ती और जहरीली शराब पीने और पीकर मरने वाले ज्यादातर समाज के निम्न वर्ग से आते हैं। ये वो समाज है, जो गरीबी के कारण घटिया किस्म की और जहरीली शराब पीकर अपनी लत को पोसता है। इतने लोगों के मारे जाने के बाद किसी को कोई खास फर्क नहीं पड़ता। आश्चर्य की बात तो यह है कि गुजरात और बिहार जैसे राज्यों, जहां आधिकारिक रूप से शराब बंदी है, वहां भी जब तब जहरीली शराब पीने से मौतें होती रहती हैं। इसका अर्थ यही है कि शराब बंदी नाम को है, पैसे देकर चाहे जो शराब मिल जाती है। तमिलनाडु के हादसे से भी कोई सबक लिया जाएगा, इसकी संभावना कम ही है।

नजरिया

योगेन्द्र यादव

लेखक समाज वैज्ञानिक एवं चुनाव विश्लेषक हैं।

'तंत्र' पर 'लोक' की विजय से उम्मीदें

बेशक़, बीजेपी को प्राप्त वोटों में सिर्फ़ एक फ़ीसदी की कमी हुई है और उसने तटीय प्रदेशों, ख़ासतौर पर ओड़िशा, आँध्रप्रदेश, तेलंगाना और केरल में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, लेकिन इस चुनाव के परिणामों को केवल आंकड़ों से नहीं समझा जा सकता है। यह कोई समतल मैदान पर दो टीमों से बीच हुई चुनावी दौड़ नहीं थी। अगर सत्ताधारी दल एथलीट वाले आरामदायक जूते पहन स्टेडियम में दौड़ रहा था तो विपक्ष कंटीली झाड़ियों और पत्थरों को पार करते हुए पहाड़ चढ़ने को मजबूर था। अगर ऐसी विषम स्थिति में भी विपक्ष ने सत्ताधारियों से 63 सीटें छीन उसे बहुमत के आँकड़े के नीचे उतार दिया तो इसे लोकतंत्र का चमत्कार ही कहा जाएगा। पार्टियों से ज़्यादा इसका श्रेय पब्लिक को जाता है।

आखिर लोकतंत्र में 'तंत्र' पर 'लोक' की विजय हुई। चुनाव परिणाम वाले दिन सुबह मैंने कहा था कि अगर बीजेपी को उसके पिछले आँकड़े यानी 303 से एक सीट भी कम आती है तो उसे सरकार की हार माना जाएगा। अगर सत्ताधारी पार्टी बहुमत के आंकड़े, यानी 272 से कम पर रुक जाती है तो इसे बीजेपी की राजनैतिक हार समझना चाहिए और अगर बीजेपी का आंकड़ा 250 से नीचे गिर जाता है तो इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की व्यक्तिगत हार समझना होगा। अंततः बीजेपी महज़ 240 पर अटक गयी। इसमें कोई शक़ की गुंजाइश नहीं कि चुनाव का परिणाम पिछली सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव है, बीजेपी के लिए राजनैतिक और नरेंद्र मोदी के लिए व्यक्तिगत पराजय है।

बेशक़, बीजेपी को प्राप्त वोटों में सिर्फ़ एक फ़ीसदी की कमी हुई है और उसने तटीय प्रदेशों, ख़ासतौर पर ओड़िशा, आँध्रप्रदेश, तेलंगाना और केरल में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, लेकिन इस चुनाव के परिणामों को केवल आंकड़ों से नहीं समझा जा सकता है। यह कोई समतल मैदान पर दो टीमों से बीच हुई चुनावी दौड़ नहीं थी। अगर सत्ताधारी दल एथलीट वाले आरामदायक जूते पहन स्टेडियम में दौड़ रहा था तो विपक्ष कंटीली झाड़ियों और पत्थरों को पार करते हुए पहाड़ चढ़ने को मजबूर था। अगर ऐसी विषम स्थिति में भी विपक्ष ने सत्ताधारियों से 63 सीटें छीन उसे बहुमत के आँकड़े के नीचे उतार दिया तो इसे लोकतंत्र का चमत्कार ही कहा जाएगा। पार्टियों से ज़्यादा इसका श्रेय पब्लिक को जाता है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत की जनता ने एक बार फिर सत्ता के अहंकार को चूर किया है, तानाशाही की तरफ़ बढ़ते हुए क़दम एक बार तो ठिठके हैं। सवाल बस इतना है कि इस जनादेश से कहाँ और कितनी उम्मीद लगायी जाए। बेहतर होगा की हम अति उत्साह से परहेज़ करें। यह तो तय है कि इस चुनाव परिणाम ने लोकतांत्रिक सम्भावनाओं का द्वार खोल दिया है। दरवाज़े में घुसने के बाद 'लोक' इस 'तंत्र' की चार बड़ी सीढ़ियों में कितनी पायदान पार कर पाएगा यह अभी से कहना मुश्किल है।

चौथी और सबसे ऊँची सीढ़ी सरकार की नीति की है जहाँ तक पहुँचने की उम्मीद सबसे कम है, लेकिन जिसके बारे में चर्चा सबसे अधिक है। हर कोई यह क़यास लगा रहा है कि गठबंधन सहयोगियों पर निर्भरता के चलते प्रधानमंत्री की कार्यशैली में कुछ बदलाव होगा। प्रधानमंत्री द्वारा अपने शुरुआती भाषण में भी सर्वानुमति, सर्वपंथ समभाव और संविधान के प्रति आस्था जैसे शब्दों के इस्तेमाल से यह अटकलबाजी और तेज हुई है, पर मुझे इसका भरोसा नहीं है।

नरेंद्र मोदी को बैकफुट पर खेलने का अभ्यास नहीं है। उलटे यह संभव है कि कमज़ोर सरकार की छवि को तोड़ने के लिए प्रधानमंत्री कुछ आक्रामक क़दम उठाएं। यूँ भी चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार से वैचारिक प्रतिबद्धता या राजनीतिक साहस की उम्मीद करना ज़्यादती है। हाँ, इतनी ज़रूर उम्मीद की जा रही है कि बीजेपी के सहयोगी दल संघीय ढांचे पर चोट करने वाले किसी फ़ैसले या सीधे-सीधे अल्पसंख्यकों के अधिकार छीनने वाले किसी बड़े कदम पर ब्रेक लगा सकते हैं।

तीसरी सीढ़ी संस्थाओं की मर्यादा की है जहां दो सूत ज़्यादा उम्मीद की जा सकती है। प्रशासन और 'सीबीआई' या 'ईडी' जैसी संस्थाओं में बेहतरी की उम्मीद करना व्यर्थ होगा, क्योंकि यह सब सीधे सरकार के अंगूठे तले दबे हैं। संवैधानिक स्वायत्तता प्राप्त संस्थाओं, जैसे 'केंद्रीय सतर्कता आयोग,' 'सूचना आयोग' और 'चुनाव आयोग' से उम्मीद की जा सकती है कि वे सरकार का पक्ष लेते हुए अब थोड़ी लोकलाज का ध्यान भी रखेंगे। न्यायपालिका से उम्मीद करनी चाहिए कि संविधान और क़ानून की धुंधली सी पड़ी इबारत कम-से-कम कुछ जजों को दिखने लगेगी।

यह आशा फलीभूत होती है या नहीं, इसका पता आगामी कुछ महीनों में नागरिकता क़ानून संशोधन, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को चुनौती और 'इलेक्टोरल बॉण्ड' घोटाले की न्यायिक जाँच जैसे मामलों में लग जाएगा। साथ ही यह उम्मीद भी करनी चाहिए कि इस चुनाव में बेशर्मी से बीजेपी के प्रवक्ता की भूमिका में खड़े होकर मुँह की खाने के बाद मुख्यधारा के मीडिया को भी कुछ नसीहत मिली होगी। इतनी उम्मीद तो नहीं है कि टीवी एंकर और अख़बार सरकार की चाटुकारिता बंद कर देंगे, मगर कम-से-कम इतना तो संभव है कि मीडिया विपक्षी दलों, नेताओं और आंदोलनकारियों पर भेड़िए की तरह हमला करने में परहेज़ करेगा।

दूसरी सीढ़ी पर संसद का नंबर आता है जिसमें कुछ ज़्यादा बदलाव होने की उम्मीद दिखती है। लोकसभा में संख्या का असंतुलन बहुत कम होने के बाद यह उम्मीद की जानी चाहिए कि संसद में बहस हुआ करेगी, कि बिना बहस आनन-फ़ानन में क़ानून पास करवाने की रवायत पर रोक लगेगी, अगर संसद में बोलने नहीं दिया तो सांसद बाहर अपना गला खोलेंगे। यह उम्मीद भी की जा सकती है कि पिछले दस साल की तुलना में संसदीय विपक्ष ज़्यादा प्रभावी तरीक़े से मुद्दे उठाएगा, वैकल्पिक प्रस्ताव पेश करेगा और आगामी विधानसभा चुनावों में बीजेपी को पटखनी देने का इंतज़ाम भी करेगा।

पहली और सबसे मज़बूत पायदान पर नम्बर आता है सड़क का, जनांदोलन और प्रतिरोध का। पिछले दस साल में मोदी सरकार के विपक्ष की भूमिका संसद से ज़्यादा सड़क पर निभाई गई है। बाक़ी कुछ हो-ना-हो, एक बात तय है इस चुनाव परिणाम से मोदी सरकार का इक़बाल कम हुआ है, सरकार का ख़ौफ़ और दबदबा घटा है। इसलिए यह तय है, चाहे किसान की बात हो या बेरोज़गार युवा की, दलित समाज की चिंता हो या महिला की, आमजन के जीवन से जुड़े सरोकार को सड़क पर उठाने का सिलसिला पहले से और ज़्यादा मज़बूत होगा। अगर संसदीय विपक्ष और सड़क पर चल रहे प्रतिरोधों में जुगलबंदी हो जाए तो यह भी संभव है कि या तो सरकार को जनता के सामने झुकना पड़ेगा, या फिर पाँच साल से पहले ही दुबारा जनता के दरबार में पेश होना पड़ेगा। (सप्रेस)

चेतनादित्य आलोक

वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

राजनीतिक हितों के लिए नागालैंड को सुलगाने की साजिश

एक दिसंबर 1963 को भारत गणराज्य का 16वां राज्य बनने वाला नागालैंड अनेक बेहद मनमोहक, खूबसूरत और रोमांचक पर्यटन स्थलों से सुशोभित, उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों से आच्छादित एवंमूलतः मानसूनी जलवायु वाला प्रदेश है। दुर्भाग्य से अपनी खुबसूरती और रोमांचकता के कारण 'पूरब का स्वीटजरलैंड' कहा जाने वाला यह पर्वतीय राज्य एक बार फिर अशांत है। दरअसल, हाल के दिनों में नगा राजनीतिक समूह (एनपीजी) समेत नागालैंड में विभिन्न भूमिगत संगठनों की अवैध वसूली, धमकी, अपहरण, लूटपाट, प्रताड़ना और कार्य में बाधा डालने जैसे अपराधों में वृद्धि होने के कारण नगालैंड के व्यवसायी दहशत के माहौल में जीने के लिए मजबूर हैं। बताया जाता है कि उन संगठनों के कैडर्स कारोबारियों के साथ बेहद क्रूरता और संवेदनहीनता के साथ पेश आते हैं। कारोबार से जुड़े लोगों की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि भूमिगत संगठनों के कैडर्स कभी तो उनके प्रतिष्ठानों में रखे सामानों को नकली यानी डुप्लिकेट बताकर तो कभी उनके एक्स्पायर होने का हवाला देकर और कभी कारोबारियों द्वारा सामानों के खुदरा मूल्य यानी एमआरपी के साथ छेड़छाड़ करने के नाम पर उनके ऊपर जुल्म ढाते रहते हैं। वे इन्हें धमकियां देते हैं, जुर्माने लगाते हैं, अवैध कर की वसूली करते हैं औरअपने कार्यालय में बुलाकर कई प्रकार से प्रताड़ित करते हैं। इनके अतिरिक्त उनके द्वारा नगालैंड आने-जाने वाली गाड़ियों विशेषकर ट्रक्रों के चालकों का अपहरण कर उनसे मुंहमांगी राशि भी वसूली जाती है।

इस अवैध और मनमानी वसूली से ऊबकर ट्रक चालक अब ग्राहकों से अधिक भाड़े वसूलने लगे हैं, ताकि उनके घाटे की भरपाई हो सके। वहीं, इसके कारण असम आदि से जाने वाले ट्रकों के चालक नगालैंड जाने से कई बार इनकार भी कर देते हैं। इस प्रकार राज्य के कारोबारी तो परेशान हैं ही, लेकिन कारोबारियों को होने वाली परेशानियों का खामियाजा अब वहां की जनता कोभी भुगतना पड़ रहा है। आश्चर्य होता है किपुलिस-प्रशासन की नाक के नीचे नगालैंड के विभिन्न सक्रिय भूमिगत संगठन दिन-दहाड़े राज्य में समानांतर सरकार चला रहे हैं, जबकि सरकारऔर पुलिस-प्रशासन मूकदर्शक बनी हुई है। मामले में कारोबारियों का कहना है कि यदि कहीं किसी उत्पाद में कोई गड़बड़ी पाई भी जाती है अथवा व्यापारियों द्वारा कुछ गलत किया भी जाता है तो ऐसे में जांच करने का अधिकार केवल राज्य और जिला प्रशासन का होता है, न कि भूमिगत संगठनों का। वैसे देखा जाए तो नगालैंड की पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियां राज्य के सक्रिय भूमिगत संगठनों के विरूद्ध कार्रवाइयां करती रहती हैं। बता दें कि सुरक्षा बलों ने अब तक मामले से जुड़े निचले स्तर के कुछेक अपराधियों और बिचौलियों को गिरफ्तार अवश्यकिया है, किंतु ये कार्रवाइयां उन भूमिगत संगठनों के विरूद्ध महज खानापूर्ति ही साबित होती रही हैं।सरकार और पुलिस-प्रशासन की इसी ढिलाई के कारण आज उन भूमिगत संगठनों का साहस इतना अधिक बढ़ गया है कि वे दिन-दहाड़े जब चाहें तब कारोबारियों को प्रताड़ित करते रहते हैं।

आज तो राज्य में परिस्थितियां इतनी बिगड़ चुकी हैं कि उन्हें न तो सरकार का जरा भी खौफ है और न ही पुलिस-प्रशासन का... और यही कारण है कि सरकार और पुलिस-प्रशासन की नाक के नीचे नागालैंड के भूमिगत संगठनों का ड्रग्स एवं हथियारों की तस्करी का धंधा रूकने अथवा कम होने के बजाए दिनोंदिन और अधिक बढ़ता ही जा रहा है। आज यह किसी से छिपा नहीं है कि ड्रग्स एवं अवैध हथियारों की तस्करी में लिप्त राज्य के भूमिगत संगठन आज अकूत धन-संपदा के स्वामी बन चुके हैं। उनके पास देशी, विदेशी कई प्रकार के हथियारों का जखीरा भी मौजूद है। हालांकि इस मामले में राज्य के पुलिस महानिदेशक का कहना है कि भूमिगत संगठनों के विरूद्ध कोई शिकायत नहीं मिलने के कारण पुलिस उनके विरूद्ध कार्रवाई नहीं कर पाती है। बहरहाल, यह समझना कठिन नहीं है कि नागालैंड के भूमिगत संगठनों के कैडर्स के भय से व्यापारी वर्ग के लोगों की सांसें अटकी रहती है। पल-पल अपनी जान के ऊपर संभावित खतरे को भांपते हुए कारोबारी चुपचाप उनकी बातें मान लेने के लिए बाध्य होते हैं।ऐसे में भला ये कारोबारी उनके बारे में पुलिस से शिकायत कैसे कर सकते हैं। आखिर इन्हें तो पता ही है कि जब तक पुलिस यानी कानून के लंबे हाथ अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश करेंगे, तब तक तो शायद उनका 'राम नाम सत्य' हो चुका होगा। इसलिए हालात को देखते हुए व्यापारियों का यह आरोप सत्य ही प्रतीत होता है कि उनके द्वारा पुलिस स्टेशन में भूमिगत संगठनों के कैडर्स की शिकायत करने पर उनकी पहचान जगजाहिर हो जाती है, जिसका दुष्परिणाम बाद में उन्हें ही भुगतना पड़ता है।

गौरतलब है कि इससे पहले राज्य के तमाम भूमिगत संगठनों के बीच लंबे समय तक गुटीय हिंसा का दौर जारी रहा था, जिसका दुष्परिणाम राज्य के नागरिकों को भुगतना पड़ता था, लेकिन तीन अगस्त 2015 को'नगा शांति वार्ता' की सफलता के बाद राज्य मेंगुटीय हिंसा का दौर तो समाप्त हुआ और नगालैंड के आम लोगों ने चैन की सांस लेनी शुरू कर दी, किंतुउन्हें कहां पता था कि उन भूमिगत संगठनों का बदला हुआ रूप एक बार फिर लोगों के लिए सिरदर्द बन जाएगा।बता दें कि राज्य के भूमिगत संगठनों का दायरा अब नागालैंड की सीमा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि भारत की चौहद्दी से बाहर भी कई देशों तक फैल चुका है। राज्य के दीमापुर इलाके में तो उनका ऐसा दबदबा कायम है कि लगता ही नहीं कि वहां पुलिस-प्रशासन और लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार भी कार्य करती है। समस्याओं का कोई हल न निकलता देख व्यापारियों एवं व्यावसायिक संगठनों का धैर्य अब टूटने लगा है। यही कारण है किनगा काउंसिल दीमापुर, दीमापुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज तथानगालैंड चैंबर ऑफ कॉमर्स ऐण्ड इंडस्ट्रीज के सामूहिक आह्वान पर वहां के व्यापारियों ने 26 से 28 अप्रैल तक अनिश्चितकालीन हड़ताल किया और अपनी-अपनी दुकानें बंद रखीं, लेकिन सरकार द्वारा मामले में कार्रवाई करने के लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद पुनः 29 अप्रैल से दुकानें खोल दी गईं। हालांकि सरकार के लिखित आश्वासन पर भरोसा कर पाना व्यावसाइयों के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि उन्हें मालूम है कि राज्य सरकार अपने राजनीतिक हितों के कारण उन भूमिगत संगठनों, विशेषकर 'नगा राजनीतिक समूह' को नाराज नहीं करना चाहती।

बहरहाल, नागालैंड की पुलिस और प्रशासन को संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बिना देर किए जनता की परेशानियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। वैसे हमारे देश में पुलिस-प्रशासन यानी 'कानून' के रक्षकों के संबंध में एक कहावत बहुत मशहूर है कि कानून के हाथ बड़े लंबे होते हैं, लेकिन क्या कारण है कि जब भी देश, समाज और जनता को कानून की सबसे अधिक जरूरत होती है, तभी उसके हाथ प्रायः इतने छोटे हो जाते हैं कि वे अपराधियों के गिरेबां तक पहुंच ही नहीं पाते और इस प्रकार अपराधी अपना कार्य बेहद आसानी से अंजाम तक पहुंचाने में सफल हो जाते हैं। हां, फिल्मों और टीवी धारावाहिकों (सीरीज) में भले ही कानून के तथाकथित हाथ अक्सर ही बेहद लंबे दिखाई देते हैं, जो अपराधियों के गिरेबां तक पहुंचते भी हैं और उन्हें दबोच भी लेते हैं। देखा जाए तो नागालैंड की सरकार को भी सकारात्मक रवैया अपनाने एवं तटस्थ रहने के बजाये राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करने की जरूरत है। साथ ही, राज्य के भूमिगत संगठनों को भी हिंसात्मक कार्रवाइयों का परित्याग करते हुए राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल होने और अपने गृह राज्य में शांति एवं सद्भावपूर्ण वातावरण बनाने में सहयोग करने के लिए आगे आना चाहिए।

दृष्टिकोण

डॉ. मिथिलेश दीक्षित

लेखिका अवकाश प्राप्त प्रोफेसर हैं।

ध्वनि सर्वव्यापक है

अपनी सकारात्मक ऊर्जा का सभी के कल्याण के लिए सदुपयोग करना चाहिए, ताकि ईश्वर द्वारा अति कृपा पूर्वक विशेष उद्देश्य से दिया गया मनुष्य शरीर के रूप में यह जीवन सार्थक हो सके। इस शरीर के सभी अंगों का बहुत पवित्र और व्यापक महत्व है। हाथ छीनाझपटी, मारधाड़, तोडफोड़ के लिए नहीं, श्रद्धापूर्वक नमन, प्रार्थना, वन्दना के लिए ,दान के लिए, अर्पण के लिए हैं। पैर सन्मार्ग पर चलने के लिए हैं। नेत्र अच्छा देखने के लिए हैं। इस प्रकृति में सर्वत्र सुन्दरता, सुषमा, सात्विकता व्याप्त है,जिनको देखने के लिए ये नेत्र मिले हैं, बुराई, कमी, मलिनता, खोजने और देखने के लिए नहीं। संसार में अनेक महान सन्त विचारक ,ऋषि-महर्षि, मनीषी, लेखक हमको विपुल ज्ञान-सम्पदा दे गये हैं, ये नेत्र उनको पढ़कर ज्ञान-अर्जन के लिए मिले हैं। ये कान अच्छी ध्वनि सुनने के लिए हैं, सद्विचार ,सत्संग, श्रेष्ठ-मधुर वाणी सुनने के लिए हैं,

चुगली, बुराई, परनिन्दा, झूठ-फरेब, प्रपंच फैलाने के लिए नहीं मिले हैं। वाणी का उपहार इस सृष्टि में केवल मनुष्य को मिला है। यह जीवन की सबसे बडी उपलब्धि है, जिसका प्रयोजन भी बहुत बड़ा है। इस वाणी के कारण ही अनेक मनुष्य महान हो गये। इस वाणी के सदुपयोग के लिए ईश्वर भी मनुष्य रूप में, अवतरित होते हैं। यह वाणी ही है, जो ध्वनि रूप में सम्पूर्ण ब्रह्मांड में व्याप्त हो जाती है। इसीलिए अक्षर को ब्रह्म कहा जाता है। यदि एक भी शब्द अशुद्ध, असत्य , अभद्र लिख दिया जाता है या बोल दिया जाता है, तो वह पूरे आकाश में व्याप्त हो जाता है और सबसे विशेष तथ्य यह कि वह कभी डिलीट नहीं होता, नष्ट नहीं होता जन्म-जन्मांतर तक उस व्यक्ति के दुखद अस्तित्व का कारण बना रहता है। कोई एक व्यक्ति जब अन्य व्यक्ति को अपशब्द कहता है, तो वह स्वयं के जन्म-जन्मान्तर को दुष्प्रभावों से ग्रस्त कर देता है, क्योंकि ध्वनि की एक अन्य विशेषता है ,प्रतिध्वनि। वह सब कुछ लौटकर उसी के पास आ जाता है। सृष्टि में तीन बातें अनिवार्य रूप में हैं-प्रतिक्रिया ,प्रतिध्वनि और प्रतिछाया, इसलिए अपने शब्दों के सम्बन्ध में बहुत सावधान रहने की आवश्यकता है। ईश्वर मुकुट लगाये मूर्ति बनकर बैठा रहे और मनुष्य पूजा-पाठ कर ले और फिर कुछ भी करने को स्वतंत्र हो जाये, ऐसा नहीं है। सृष्टि की पूरी व्यवस्था नियमित, व्यवस्थित, समरस, सुसंगठित सुसंचालित परस्पर सम्बद्ध है। एक सुई की नोंक के बराबर भी यदि कोई ग्रह अपना स्थान छोड़ दे, तो उथल-पुथल मच जायेगी। सभी ग्रह नक्षत्र अपनी-अपनी कक्षा में अवस्थित हैं और परिभ्रमण कर रहे हैं। मकड़ी के जाले की तरह पूरा विस्तार है इस सृष्टि का। यदि एक छोर भी हिलेगा तो पूरा जाला हिल जायेगा। किसी एक व्यक्ति के कुविचार ,अपशब्द की ध्वनि केवल उसी के समीप नहीं ,पूरे ब्रह्माण्ड में फैलकर , सभी को प्रभावित कर विचलित कर देने में समर्थ होती है।

ध्वनि तो सर्वव्यापक होती है, क्रिया की प्रतिक्रिया भी कई गुना अधिक होती है। कोई व्यक्ति यदि किसी का अहित करता है ,तो कभी न कभी उससे बहुत अधिक उसका स्वयं का अहित होना ही है। यह जीवन केवल अन्य का स्वत्व छीनने, अपने सुखों के लिए , अनुचित संग्रह करने, भोग-विलास के लिए नहीं मिला है। सब कुछ इसी प्रकृति से लेने वाला मनुष्य जब उसका ही हक छीनने पर उतारू हो जाता है, तब प्रकृति स्वतः उसका सब कुछ छीन लेती है और वह जैसे खाली हाथ आया था, वैसे ही चला जाता है , लेकिन अनेक प्रकार के पापों का बोझ अपने साथ संस्कार रूप में लिए चला जाता है , जिनसे उसका छुटकारा अनेकानेक जन्म में भी सम्भव नहीं होता। ऐसे व्यक्ति ईश्वर को नहीं मानते। वे नहीं जानते कि ईश्वर मुकुट लगाये मन्दिर में ही मूर्ति बना नहीं बैठा है,वह तो सर्वव्यापक है,वह तो इस प्रकृति में ही अपने विराट स्वरूप में विद्यमान है ,आकाश,धरती, वायु, अग्नि जल -इन पाँच का समुच्चय ही तो उसका कलेवर है, वह ब्रह्मांड रूप है तो यह मनुष्य उसी का लघु स्वरूप पिण्ड रूप में है। वह समष्टि है, सभी का समुच्चय है, तो मनुष्य व्यष्टि है। उसका ही अंश है। चेतना के उच्च स्तर पर पहुँचकर मनुष्य में भी ईश्वरत्व सम्भव है। अनेक सन्तों ने ईश्वरत्व का साक्षात्कार किया और मनुष्य योनि को धन्य कर दिया। इसके विपरीत अनेक मनुष्यों ने मनुष्यता को भी छोड़कर राक्षसी रूप लेकर अपना और सभी का अहित किया। प्रवृति और चेतना की दिशा बदल जाने से कोई संत भी बन सकता है और पापी भी बन सकता है, यह विवेक भी मनुष्य को सहज ही प्राप्त है। निष्कर्ष रूप में ,केवल एक बात कहनी है कि सृष्टि की सबसे प्रभावी शक्ति ध्वनि है। संसार के अधिकांश झगड़े और युद्ध वाणी के दुरुपयोग से ही हुए हैं और हो रहे हैं। इसके प्रति इसलिए भी सभी को सचेष्ट रहना चाहिए क्योंकि जब अपशब्द बोला जाता है, तब वह आकाशरूपी ईश्वर को सीधे-सीधे चोट पहुँचाता है। हम सभी शून्य की तरह हैं , अच्छे विचारों, अच्छे व्यक्तियों, अच्छे कार्यों से जुड़ते जायेंगे, तो अगणित रूप में हमारा और संसार का सर्वतोमुखी कल्याण हो सकता है। ईश्वर अच्छाई को प्रसारित करता है। सभी दैवीय शक्तियाँ सत्कार्य की सहायक होती हैं। पापी क्षणिक लाभ भले ही प्राप्त कर ले, उसका विनाश अवश्यंभावी है। अच्छे व्यक्ति का कल्याण भी सुनिश्चित है। ईश्वरीय व्यवस्था बहुत सुनियोजित होती है, उसमें अविश्वास नहीं करना चाहिए ।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल

लेखक स्तंभकार हैं।

ताक में बैठे मुद्दों का राजधर्म

शहर के नामी गिरामी चिंतक बड़े भिया अपने घर के ताक (जिन्हें आला भी कहलाने में गुरेज नहीं) साफ कर रहे थे। वे इस तरह की हरकत अक्सर ऐन चुनाव के बाद ही करते हैं। अचानक मैं उनके घर पहुंचा तो उनकी इस हरकत पर हैरान रह गया। उनसे ही पूछ बैठा- बड़े भिया ये क्या कर रहे हो। वे थोड़े खिसियाए, ये उनकी नैसर्गिक अदा है। बोले- यार तुम्हें मालूम नहीं ये घर में जो ताक बनवाए गए इसलिए हैं कि इनमें कुछ न कुछ रख दें। याद है....वे फ्लैशबैक में चले गए, लेकिन जल्दी ही लौट आए और कहा- जब बिजली एक-दो घरों में पीले से 40 या 50 वॉट के लट्टू से उजाला करती थी तो हम इन्हीं ताक में घासलेट से भरी चिमनी रखकर उसकी बत्ती से झरती रोशनी में विकास की उम्मीद से ताक के ऊपर कोई काले से चित्र बनते देखते थे। अब तो उस विचित्र से चित्र ने ऐसा मजमा जमाया है कि घर तो बिजली से रोशन हो गए और लट्टू अवसान पा गया, लेकिन उसकी जगह 5 और 9 वॉट की एलइडी ने ले ली, अब उसे ताक में तो रख नहीं सकते। मैंने उन्हें टोका तो वे मेरी तरफ मुखातिब होकर बोले- अब इन ताकों को निठल्ले तो छोड़ नहीं सकते न। मैंने कहा-अब इनका क्या करोगे? वे हंस पड़े और बोले कि अब देखो चुनाव-वुनाव तो हो लिए। इस चुनाव में जो मुद्दे थे वे इस ताक में थे कि कोई तो उनको उठाएगा, लेकिन भला हो उस भले मानस का, जिसने इन्हें बला ए ताक में पहले से ही रख दिया था। अब ये इसी ताक में रहने के लिए उतावले हैं। बड़े भिया अब धीर-गंभीर हो गए और उनके भीतर का चिंतक गहरी नींद से उबासी लेते हुए बाहर आ गया और फिर उसी फ्लो में बोल पड़ा- यार समझ में नहीं आता मकोड़ीलाल कि महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी और गरीब भी कोई मुद्दे हैं क्या? बिजली, पानी, शिक्षा, सड़क और गंदगी से अटी पड़ी नालियां देखकर नेता भी नाक भौं सिकोड़ने लगे हैं। अब इनके दम पर जनता को ये भरोसा दिलाया जाए कि हम आए तो इन्हें हटा देंगे। चलो महंगाई और बेरोजगारी हटा भी दी तो कौन सी क्रांति आ जाएगी? और हां गरीबी और गरीब हटे या घटे तो फिर 5 साल बाद चुनाव किसके लिए लड़ेंगे? अरे भाई नए दौर में मुद्दे तो नए होने चाहिए। घुसपैठिए भगाओ, तंत्र के लिए लोक को बचाओ, आतंकवादी से मुकाबला करो, पड़ोसी को घर में घुसके मारो और इन सब से फुरसत मिल जाए तो एकजुट होकर उन्हें ले आओ जो....खैर। इसी से हमारा सनातन बचेगा! मकोडीलाल बोले- फिर इन ताक का क्या करोगे, जिनकी तुम जी जान से सफाई कर रहे हो। वे बोले- देखो भिया, अब यह जो बंगलो, फ्लैट और मल्टी बन रही है न, उनमें इन ताकों के लिए जगह नहीं है। फर्नीचर में मुद्दे सिमट रहे हैं। इसलिए एंटीक होते जा रहे ताक में पुराने मुद्दे ही तो बैठेंगे। उनकी ये चिंतनशील वाणी सुनकर मैं इतना भावुक हो गया कि मैं भूल ही गया कि मेरे घर भी ताक हैं। मैं भागा-भागा घर पहुंचा तो ताक में बैठे मुद्दे बात कर रहे थे। वे बोल रहे थे कि नेता तो नेता हमें तो मीडिया ने भी अछूत बना दिया। उनकी बात सुनकर मैं सन्न रह गया। मुद्दे इस ताक में थे कि कोई उन्हें छूकर देखेगा, लेकिन यह उनकी गलत फहमी रही। इधर मुद्दे अब भी ताक में हैं। उधर, चुनावी घटाएं छंट गईं और सरकार के रूप में धूप छाने लगी। मुद्दा विहीन आम आदमी फिर काम की तलाश में निकल पड़ा।

कबीर जयंती पर विशेष

डॉ. अशोक कुमार भार्गव

(मोटिवेशनल स्पीकर, लेखक एवं पूर्व आईएएस)

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत संत कबीर

निसंदेह साहित्य और धर्म के क्षेत्र में एक नवीन क्रांति के जनक कबीर भौतिक रूप से हमारे मध्य नहीं है। किंतु मानवता को हर प्रकार के बंधनों से मुक्त कर अखंड आनंद की प्राप्ति कराने वाला उनका समग्र सृजन, साखियां, बानियां, उलटबासियां, दोहे, बीजक आदि साहित्य प्रगतिशील समाज के लिए प्रेरणा की अमूल्य धरोहर है, जिनका आध्यात्मिक रहस्य दुनिया के किसी भी धर्म ग्रंथ से कमतर नहीं है।

भारतीय चिंतन परम्परा में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत कबीर का चिंतन सामाजिक जड़ता, अराजकता, जन्म के आधार पर भेदभाव, साम्प्रदायिकता, अस्पृश्यता और उंच-नीच जैसी अमानवीय व्यवस्था के खिलाफ शंखनाद है। वे ऐसे आदर्श मानवीय समाज की परिकल्पना करते हैं जहां सामाजिक समरसता पर आधारित मानवीय धर्म की प्रतिष्ठा हो। कहा जाता है कि काशी में लहरतारा तालाब पर नीरू तथा नीमा नामक जुलाहा दंपति को एक नवजात शिशु अनाथ रूप में प्राप्त हुआ। इन दोनों ने बालक का पालन पोषण किया जो संत कबीर के नाम से विख्यात हुए। निम्न और वंचित समझी जाने वाली जुलाहा जाति में पलकर भी तत्कालीन धर्म के दिग्गज पंडितों, मौलवियों को एक ही साथ फटकार सकने में समर्थ कबीर ने 'मसी' और 'कागद' न छूकर तथा कलम हाथ में न पकड़ कर भी केवल अपने प्रामाणिक अनुभव के बल पर जो कुछ कहा उसे सुनकर बड़ी-बड़ी पोथियों के अध्येता भी चकित रह गए। मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के प्रणेता कबीर ने निराकार ब्रह्म के उपासक होकर भी अपने प्रियतम के वियोग में जो चिरंतन व्याकुलता प्रकट की वह किसी भी सगुणोपासक अथवा प्रेमोपासक की विकलता से कहीं अधिक मार्मिक तीव्र एवं गहन बन गई।

संत कबीर का उद्भव जिन युगीन परिस्थितियों मे हुआ वे अत्यंत संकीर्ण, विषम और विसंगति पूर्ण थी। उत्तर भारत में मुस्लिम साम्राज्य अपनी जड़ें पूरी तरह जमा चुका था। तुर्क, अफगान, खिलजी, तुगलक, सैयद लोदी वंश अपने-अपने काल में इन जड़ों को और गहरा बनाने में कामयाब रहे। हिंदुओं के छोटे-छोटे राज्य भी अब समाप्त हो चुके थे। राजनीतिक दृष्टि से हिंदुओं में अब कोई शक्ति शेष नहीं थी। धार्मिक क्षेत्र में भी भेदभाव का साम्राज्य था। देश के पूर्वी भागों में वज्रयानी सिद्धों के तंत्र-मंत्रों का और पश्चिमी भाग में नाथ संप्रदाय के हठयोग का प्रभाव था। हिंदू धर्म वैष्णव, शैव और शाक्त संप्रदायों में विभक्त था और इन धर्म साधनाओं में परस्पर प्रबल विरोध और संघर्ष की स्थिति थी। हिंदुओं में मूर्ति पूजा प्रचलित थी। एकेश्वरवादी इस्लाम मूर्ति पूजा विरोधी था। इस्लाम के साथ सत्ता थी उनमें ऊंच, नीच का भेद नहीं था। कुछ वर्गों में सांप्रदायिक कट्टरता एवं संकीर्णता पनप रही थी। समाज में धर्मगत, जातिगत, वर्णगत संप्रदाय गत विषमताएं विकट थीं। फलस्वरूप समाज का निम्न और अछूत वर्ग शोषण, उत्पीड़न, उपेक्षा, अपमान और सामाजिक धार्मिक नियोंग्यताओं का शिकार होने से इनमें आक्रोश, असंतोष और विक्षोभ प्रबल हो रहा था।

ऐसी विषम स्थिति में कबीर की क्रांति दर्शिता विभिन्न मतवादों को समन्वित कर 'सूप' का स्वभाव लेकर उभरी जो किसी भी मत और संप्रदाय के 'थोथे' तत्व को उड़ा सकने एवं उसके सार तत्व को ग्रहण कर सकने में समर्थ है। यही कारण है कि उनकी बानियां लोकमंगल की भावना से प्रेरित लोकमंगल की साधना को समर्पित है। कबीर का चिंतन आचरण शुद्धि, लोक कल्याण, सांप्रदायिक सद्भाव तथा दुष्प्रवृत्ति उन्मूलन पर केंद्रित है। कबीर ने तत्कालीन समाज में फैले कर्मकांडों, पाखंडों, जातिगत भेद-भावों अंधविश्वास, बाह्य चारों और सामंती व्यवस्था की खुलकर आलोचना की। हिंदू हो या मुसलमान पंडित हो या मौलवी सबको समान रूप से फटकार लगाई। कबीर ने मुसलमान की हिंसात्मक प्रवृत्ति की निंदा की। मूर्ति पूजा का खंडन किया। हिंदुओं को मुसलमान बनाने के विरुद्ध बगावत की।माला जपने, जप तप करने, व्रत रखने, रोजे रखने, मस्जिद में बांग लगाने आदि अनेक पाखंडों की आलोचना की। कबीर ने जाति-पांति पूछे नहिं कोई। 'हरि को भजै सो हरि को होई' कहकर समाज को एक नई दिशा दी।

कबीर की कटु आलोचनाओं से समाज के ठेकेदारों के निहित स्वार्थ जब प्रभावित होने लगे तो इन्होंने बादशाह सिकंदर लोदी से शिकायत की। काजियों ने कहा कि कबीर लोगों को इस्लाम के विरुद्ध नसीहत देते हैं जिससे मुसलमान हिंदुओं की तरह ध्यान और भजन करने लगे हैं। पंडितों ने कहा कि कबीर परंपरा से चले आ रहे धार्मिक और सामाजिक नियमों का खंडन करते हैं। लोगों को ऐसे मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं जिसे न हिंदू कहा जा सकता है न मुसलमान। बादशाह ने कबीर को ऐसा न करने का आदेश दिया। किंतु कबीर झुके नहीं और निर्भय होकर कहा कि पारस्परिक मतभेदों में समन्वय कर यदि जीवन

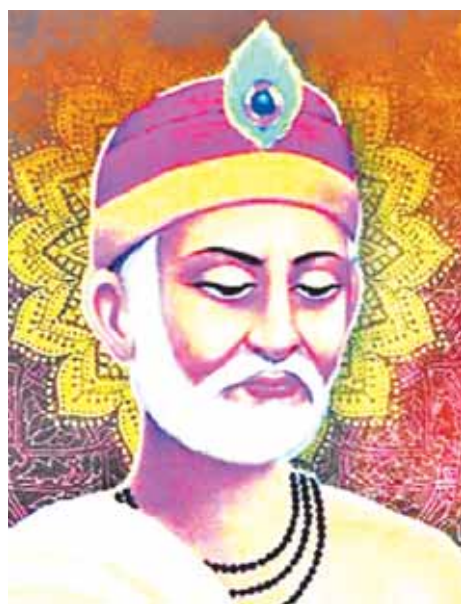

को सार्थक बनाने योग्य समतामूलक सच्चे सिद्धांतों पर अमल किया जाए तो इसमें क्या दोष है? धर्म के ठेकेदारों को यह मंजूर नहीं था। बादशाह भी स्वयं मुसलमान था उसने तलवार के जोर से इस्लाम का प्रचार किया। इसलिए बादशाह ने कबीर को मृत्युदंड दिया। कबीर पंथियों का मत है कि लोदी ने अनेक प्रकार के उपायों से कबीर को मरवाने की कोशिश की किंतु किसी दैवी शक्ति या चमत्कार से कबीर का कुछ नहीं हुआ। अंततः कबीर के अलौकिक व्यक्तित्व के समक्ष सिकंदर लोदी नतमस्तक हुआ और कबीर को स्वतंत्र कर दिया।

एक बार कबीर को बादशाह को सलाम अदा करने के लिए कहा तब कबीर ने उत्तर दिया 'एक परमात्मा के सिवाय मालिक मखलूक और कोई नहीं। मैं उसी को सलाम करता हूं मिट्टी से बने किसी इंसान को नहीं।' कबीर के इस प्रबल आत्मविश्वास और निर्भयता के पीछे उनके अनुभव की प्रामाणिकता, ईमानदारी, सच्चाई और नैतिकता कार्य कर रही थी। खरी-खरी सुनाने का अद्भुत साहस कोई खरी अनुभूति वाला व्यक्ति ही कर सकता है। कबीर अशिक्षित थे सहज, सरल सबके लिए सुलभ थे। उन्होंने जिंदगी की पोथी को खुली आंखों से पढ़ा था। वे प्रेम के एक अक्षर को पढ़कर ही पंडित हो गए थे। उनकी भक्ति में ज्ञान योग और प्रेम का अद्भुत समन्वय है।

ज्ञान के बिना मुक्ति नहीं और गुरु के बिना ज्ञान नहीं। कबीर स्वामी रामानंद से गुरु दीक्षा के अभिलाषी थे किंतु शास्त्रानुसार जुलाहे कबीर पात्र नहीं थे। स्वामी रामानंद ने विवशता बताई और कबीर के स्पर्श के कारण दोबारा गंगा स्नान करने को कहा। तब कबीर ने टूटे हुए हृदय से कहा कि आपकी पवित्रता मुझे पावन न बना सकी, किंतु मेरी अपावनता ने आपको पुनः स्नान के लिए बाध्य कर दिया। सुना था देवता के स्पर्श से पापी तक पावन हो जाते हैं किंतु आज एक देवता मनुष्य को छूकर अपावन हो गया। स्वामी रामानंद ने कबीर के कथन में निहित सत्य को अनुभव किया और बाद में कबीर को अपने आश्रम ले आए। कबीर ने सदैव शारीरिक श्रम की महत्ता को स्वीकार किया और आजीवन जुलाहे कर्म का निष्ठा से पालन किया।

कबीर की मृत्यु पूर्व की सूचना पर उनके हजारों हिंदू-मुस्लिम भक्त एकत्र हो गए। हिंदू उनका दाह संस्कार करना चाहते थे और मुसलमान दफन। किंतु कबीर जो जीवन भर सांप्रदायिक सद्भाव और एकता के लिए संकल्पित रहे उनका यह विश्वास टूटने पर अलौकिक शक्ति से अपने शव को अदृश्य कर दिया और उस स्थान कुछ पुष्प बिखरे रह गए। आधे पुष्प हिंदुओं ने लेकर दाह संस्कार कर समाधि बना दी मुसलमानों ने आधे पुष्प दफन कर मकबरा बना दिया। वस्तुतः कबीर हिंदू के भी थे और मुसलमान के भी। वे दोनों को जोड़कर एक मानव संस्कृति के निर्माण की आधारशिला रख रहे थे। अपने सिद्धांतों के लिए जीने, मरने वाले कबीर न किसी जाति में पैदा हुए और न किसी धर्म में मरे जो एक साथ कब्र में दफन और समाधि में समाधिस्थ भी।

निःसंदेह कबीर साधना के क्षेत्र में युग गुरु और साहित्य के क्षेत्र में युग दृष्टा हैं। उनकी साधना वैयक्तिक और आध्यात्मिक होते हुए भी समष्टिपरक है। वे ऐसे सर्जक है जो परंपरा को तोड़ते ही नहीं बल्कि अपनी समकालीनता से उसे नए अर्थ भी देते हैं। कबीर में परंपरा के प्रति निरर्थक मोह नहीं है। वे आत्मा-परमात्मा का रहस्य बताते हुए कहते हैं कि आप सब अपने दिलों से हिंदू मुसलमान, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब और छोटे-बड़े का भेदभाव मिटा दो। हम सब एक ही राम-रहीम के बंदे हैं। आपस में सद्भाव से मिलजुल कर प्रेम से रहते हुए ईश्वर की भक्ति कर नेक जिंदगी जिए। यही मेरा संदेश और मजहब है।

एक दिन कबीर ने पुत्र कमाल को कहा मुझे मगहर पहुंचा दो। मैं काशी में मरना नहीं चाहता। कमाल ने आश्चर्य से कहा कि अब्बा, लोग तो दूर-दूर से मरने के लिए काशी में आते हैं और आप काशी छोड़कर मगहर जाना चाहते हैं। सुना है काशी में मरने पर स्वर्ग मिलता है और मगहर में मरने पर नरक। कबीर ने हंसते हुए कहा कि मैं इसी भ्रम को तोड़ना चाहता हूं। वैसे न मैं स्वर्ग में विश्वास करता हूं न नरक में। स्वर्ग और नरक मन का भ्रम हैं। कर्मों की पवित्रता, नैतिकता से मिलने वाली आत्म शांति स्वर्ग है और पाप कर्मों से मिलने वाली यातना नरक। मुझे अपने कर्मों की पवित्रता पर विश्वास है। मैं मगहर में मरकर भी स्वर्ग ले लूंगा और कबीर ने मगहर में अपना पार्थिव शरीर छोड़ दिया।

सामयिकी

गिरीश पंकज

लेखक स्तंभकार हैं।

नालंदा का वैभव अब लौटना ही चाहिए

19 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवीन नालंदा विश्वविद्यालय के एक परिसर का उद्घाटन किया। यह विश्वविद्यालय पिछले कुछ वर्षों से आकार ले रहा है। इन पंक्तियों के लेखक ने दो वर्ष पूर्व जलपुरुष के नाम से विख्यात प्रो. राजेंद्र सिंह और नालंदा के समाजसेवी नीरज कुमार के साथ इस विश्वविद्यालय की भव्यता देखी थी। नालंदा जिले के राजगीर में स्थापित यह विश्वविद्यालय काफी भव्य हो गया है। वर्तमान विश्वविद्यालय प्राचीन खंडहर विश्वविद्यालय से लगभग बीस किलोमीटर दूर बना है। भवन का स्थापत्य आकर्षित करता है। कोशिश यही हो रही है कि यह विश्वविद्यालय भी प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की तरह ही विश्वस्तर पर लोकप्रिय हो। 2007 में जब पूर्वी एशियाई देशों का सम्मेलन हुआ था, तब सोलह देशों ने एक साथ अपनी सहमति जाहिर की थी कि नालंदा विवि का पुनर्निर्माण किया जाए। नए विश्वविद्यालय के लिए स्थानीय लोगों ने अपनी जमीनें भी सहर्ष दीं, जहां निर्माण कार्य शुरू हुआ। 455 एकड़ में फैले इस विश्वविद्यालय के निर्माण में थाईलैंड, नाइजीरिया, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर आदि सत्रह देशों ने भी सहयोग किया है। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष राष्ट्रपति रहेंगे। यह भी एक अच्छी पहल की आसपास के अनेक गांवों को विश्वविद्यालय से जोड़ा जाएगा।

हम सबको पता है कि यह विश्वविद्यालय वर्ष 427 में सम्राट कुमार गुप्त के द्वारा स्थापित किया गया था। 800 साल तक यह विश्वविद्यालय संचालित होता रहा। यहां बौद्ध विहार मठ भी हुआ करता था। यह बौद्ध धर्म की शिक्षा का वैश्विक स्तर का महत्वपूर्ण केंद्र था। आज हम कल्पना नहीं कर सकते, लेकिन यह सच है कि उसे समय नालंदा विश्वविद्यालय में दस हजार विद्यार्थी पढा करते थे। पन्द्रह सौ शिक्षक यहीं निवास किया करते थे। यहां अध्ययन करने के लिए चीन, कोरिया,जापान, भूटान, ईरान आदि देशों से विद्यार्थी आया करते थे। यहां गणित, आयुर्विज्ञान, दर्शन आदि की पढ़ाई हुआ करती थी। चीनी यात्री ह्वेनत्सांग भी ने भी यहां आकर अध्ययन किया था। उसने कुछ वर्ष यहां पढ़ाई भी की। यहां उसे मोक्षदेव शिक्षक के नाम से जाना जाता था। सब कुछ बहुत अच्छा चल रहा था लेकिन 1190 में कुतुबुद्दीन ऐबक के सेनापति बख्तियार खिलजी ने ज्ञान के उसे केंद्र को नष्ट कर दिया था। उसने विश्वविद्यालय में आग लगवा दी। वहां रखी लगभग नब्बे लाख दुर्लभ पांडुलिपियां जल का राख हो गई। ऐसा कहा जाता है कि यह विश्वविद्यालय तीन महीने तक धधकता रहा। उस समय फायर ब्रिगेड जैसी कोई चीज तो होती नहीं थी कि दुर्लभ पांडुलिपियों को बचाया जा सके। और कोई बचा भी कैसे सकता था,जब चारों ओर से मुग़ल हमलावर इस महान केंद्र को नष्ट करने पर तुले हों। खिलजी ने न केवल विश्वविद्यालय को जलाकर राख किया वरन अनेक बौद्ध भिक्षुओं की नृशंस हत्याएँ भी की। सर्वाधिक शर्मनाक बात यह है कि आज भी इस बख्तियार खिलजी के नाम पर नालंदा में एक स्टेशन है, बख्तियारपुर। जब मैं नालंदा से लौट रहा था, तब बख्तियारपुर स्टेशन दिखा तो बड़ी पीड़ा हुई। जिस अत्याचारी ने एक महान केंद्र को जलाकर राख कर दिया हो, उसके नाम पर एक स्टेशन का नाम रखा जाए, यह कितना हास्यास्पद है। लेकिन दुर्भाग्यवश आज तक इस स्टेशन का नाम नहीं बदल गया। यह कौन सी तुष्टिकरण की नीति है कि जिसने हमारे वैभव को नष्ट किया, हम उसी के नाम पर एक स्टेशन का नाम रख दें। इस मानसिक का सूक्ष्म परीक्षण होना चाहिए कि क्यों बख्तियार खिलजी, औरंगजेब, बाबर जैसे अनेक लुटेरों के नाम पर सड़कों के नाम भी रखे गए। बहरहाल संतोष की बात है कि वर्षों पहले पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के आग्रह के बाद इस विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित करने की कोशिश हुई। बिहार विधानसभा में प्रस्ताव के पास कर लिया गया था। लेकिन कोई काम शुरू नहीं हुआ। लेकिन 2014 से भवन निर्माण कार्य शुरू हुआ और अब नालंदा विश्वविद्यालय ने भव्य आकर ले लिया है। यह हरित परिसर है। यहां पर्यावरण का पूरा ध्यान रखा गया है भवन की तकनीक इस तरह की है कि गर्मी में इमारत ठंडी और ठंडी के दिनों में गर्म बनी रहेगी। यहां भाषा, साहित्य के अध्ययन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है प्राचीन भाषाओं जैसे पाली, संस्कृत, तिब्बती आदि की भी यहां पढ़ाई होगी। अनेक विदेशी भाषाएं यहां नियमित रूप से पढ़ाई जाएंगी। सूचना विज्ञान, प्रौद्योगिकी,बिजनेस मैनेजमेंट, दर्शन, पर्यावरण आदि का अध्यापन तो होगा ही। गुप्त काल की तरह अब यहां लगभग सत्रह देश के 400 से ज्यादा विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। प्राचीन विश्वविद्यालय में तो लगभग दस हजार विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह नया विश्वविद्यालय भी पुराने नालंदा विश्वविद्यालय की तरह अपनी भव्यता को प्राप्त कर सकेगा। उधर पास ही पुराने विश्वविद्यालय का खंडहर आज भी अपने अतीत की गौरवशाली कहानी बताने के लिए पर्याप्त है। यूनेस्को ने इसे वैश्विक धरोहर के रूप में मान्यता दी है।

विश्वविद्यालय को प्राकृतिक पर्यावरण के हिसाब से बनाया गया है। परिसर के बीचों-बीच कमल सागर तालाब भी हमने देखा है। वह तो आपको और अधिक खूबसूरत हो गया होगा। प्राचीन विश्वविद्यालय की तरह परिसर के अध्ययन कक्षाओं छत नहीं है। कहने का आशय यह है कि कोशिश की गई है कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की तर्ज पर इसे विकसित किया जाए। लेकिन सवाल यही है कि क्या आज के समय में वैसे महान प्रतिभाशाली शिक्षक या वैसे लगनशील विद्यार्थी अब उपलब्ध हो सकेंगे?

चुनाव नतीजों के मंथन से निकला अमृत या विष किसका?

राजनीति

अनिल ठाकुर

लेखक स्तंभकार हैं।

भारतीय राजनीति में जबसे हाईकमान संस्कृति पनपी है, प्रत्येक पार्टी में जीत का श्रेय हाईकमान तो हार का दोष स्थानीय नेतृत्व, कमजोर संगठन, कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता को दिए जाने की परंपरा बन गई है। भाजपा के इस मंथन से किसके खाते में अमृत, तो किसके खाते में विष आयेगा या कोई नीलकंठ बनने का साहस कर पायेगा यह कहना अभी मुश्किल है। लेकिन इस बार इस मंथन के पहले ही भाजपा के मातृ संगठन संघ प्रमुख के एक उद्बोधन के दौरान की गई टिपण्णी ने पार्टी में भूचाल ला दिया। उसके बाद तो एक के बाद एक वरिष्ठ स्वयंसेवकों के लेख, बयानों से मोदी निशाने पर आ गए। संघ और भाजपा के बीच दरार साफ नजर आने लगी। संघ और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच कई मुद्दों पर मतभेद के संकेत तो लंबे समय से चर्चा में थे, लेकिन बीच चुनाव में पार्टी अध्यक्ष नड्डा के उस बयान के बाद कि अब पार्टी इतनी मजबूत हो गई है कि उसे चुनाव जीतने के लिए संघ की जरूरत नही है, साफ दिखाई देने लगे।

चुनाव नतीजों के बाद भाजपा में इस हार के कारणों के मंथन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, संगठन और सत्ता के स्तर पर कई बड़े फेरबदल की संभावनाएं, आशंकाएं व्यक्त की जा रही है।

भारतीय राजनीति में जबसे हाईकमान संस्कृति पनपी है, प्रत्येक पार्टी में जीत का श्रेय हाईकमान तो हार का दोष स्थानीय नेतृत्व, कमजोर संगठन, कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता को दिए जाने की परंपरा बन गई है। भाजपा के इस मंथन से किसके खाते में अमृत, तो किसके खाते में विष आयेगा या कोई नीलकंठ बनने का साहस कर पायेगा यह कहना अभी मुश्किल है। लेकिन इस बार इस मंथन के पहले ही भाजपा के मातृ संगठन संघ प्रमुख के एक उदबोधन के दौरान की गई टिपण्णी ने पार्टी में भूचाल ला दिया। उसके बाद तो एक के बाद एक वरिष्ठ स्वयंसेवको के लेख, बयानों से मोदी निशाने पर आ गए। संघ और भाजपा के बीच दरार साफ नजर आने लगी। संघ और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच कई मुद्दों पर मतभेद के संकेत तो लंबे समय से चर्चा में थे, लेकिन बीच चुनाव में पार्टी अध्यक्ष नड्डा के उस बयान के बाद कि अब पार्टी इतनी मजबूत हो गई है कि उसे चुनाव जीतने के लिए संघ की जरूरत नही है, साफ दिखाई देने लगे। इस बयान के बाद संघ की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, लेकिन नतीजे घोषित होने के बाद उचित अवसर पर संघ प्रमुख ने अपने उद्बोधन में यह संकेत दिया कि शीर्ष नेतृत्व के लिए अपने मातृ संगठन की उपेक्षा कर सत्ता में बने रहना आसान नही होगा। मोदी ने भी पीएम पद की शपथ से लेकर जी 7 समिट में भाग लेने इटली रवाना होने तक इस प्रतिक्रिया पर अपनी चुप्पी बनाए रखी है। इटली से लौटने के बाद कश्मीर का उनका दौरा तय है, लेकिन मणिपुर के बारे अभी भी चुप्पी है, जिसका उल्लेख संघ प्रमुख ने किया था। अभी तक अपनी बॉडी लैंग्वेज एवं कार्य शैली से मोदी यह आभास देने का प्रयास कर रहे है कि पार्टी में आज भी उनकी पकड़ मजबूत है। अब इस अंतर्कलह का पटाक्षेप जुलाई के अंत में केरल में होने जा रही संघ और भाजपा की संयुक्त समन्वय बैठक में ही होगा। लेकिन संघ की ओर से दबाव बनाकर कोई अतिवादी निर्णय लिया गया तो नुकसान संघ के एजेंडे का ही होगा। उन राज्यों में भी जहां भाजपा को भरपूर समर्थन मिला है,समीकरण बिगड़ेंगे। संघ को यह ध्यान रखना चाहिए कि उसके स्वयंसेवकों के अथक परिश्रम ने चारों दिशाओं में संघ की पहचान बनाई है, वही मोदी ने भाजपा को एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में स्थापित कर दिया है। संघ को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उसका स्वयं सेवक भाजपा का सदस्य हो सकता है, लेकिन यह जरूरी नही कि भाजपा कार्यकर्ता या सदस्य संघ का स्वयं सेवक हो। पिछले दस वर्षो मे जो युवा जुड़े है उसमे से अधिकांश का संघ से कोई नाता नही है। इन सबके बावजूद निर्णय तो भाजपा संगठन और संघ की सोच के आधार पर ही निकलेगा।

भाजपा और संघ के मतभेद को एक तरफ रखकर यदि भाजपा की हार का विश्लेषण करें तो प्रमुख रूप से विपक्ष के संविधान बदलने, आरक्षण समाप्त करने के नरेटिव ने सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभी तक मोदी विपक्ष को अपनी पिच पर खेलने को मजबूर करते रहे, पहली बार मोदी विपक्ष के इस जाल में उलझ कर रह गए। इसके बचाव में सम्पति का अधिग्रहण कर मुस्लिमों में बांट देने, मंगल सूत्र, मटन जैसे उनके बयानों ने आग में घी का काम किया। वे जातियों में बंटे हिंदुओं को तो एकजुट नही कर सके मगर विरोध में मुस्लिम समाज ने एक होकर इंडी गठबंधन को उनकी टक्कर में ला दिया। अन्य मुद्दो जैसे बेरोजगारी, महंगाई, कार्यकर्ताओं की उपेक्षा, उम्मीदवारों के गलत चयन, संघ की नाराजगी का सबसे ज्यादा असर और नुकसान यूपी में देखने को मिला, जहां सारे विपरित मुद्दो ने एक साथ काम किया। पहले चरण में कम मतदान को भाजपा संगठन गंभीरता से लेकर, पन्ना एवं बूथ प्रमुख भूमिका पर तुरंत संज्ञान लेता तो शायद नुकसान को कम किया जा सकता था। महाराष्ट्र में पार्टियों को तोड़कर सरकार बनाने की नीति को जनता ने नकार दिया तो बंगाल में ध्रुवीकरण ने फिर एक बार अपना असर दिखाया। 400 पार के नारे को विपक्ष ने जिस तरह से अपना हथियार बना कर उपयोग किया उससे भाजपा की अपनी 240 सीट एवम एनडीए की जीत फीकी पड़ गई। बंगाल विधान सभा चुनाव में 200 पार के नारे की वजह से भाजपा की 3 सीटों से 77 सीट तक पहुंचने की उपलब्धि, हार नजर आने लगी थी। कर्नाटक विधान सभा के चुनाव में भी बजरंग बली के नारे के विपरीत असर से धुर्वीकरण ने भाजपा को सत्ता में आने से रोक दिया था। उसी समय भाजपा को यह अहसास हो जाना चाहिए था कि यह रणनीति नुकसान करती है।

तो क्या इस आधार पर यह मान लिया जाए कि भाजपा या मोदी कमजोर हुए है, सही नही होगा। यूपी के उदाहरण से जहां भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, इसे समझा जा सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि कुल 63 सीटे कम होना साधारण बात नही, मगर यूपी में 62 से 33 पर आना एवम सपा के 5 से 37 पर पहुंचने से यह कहा जा रहा है कि भाजपा की करारी हार हुई। यूपी के संदर्भ में यह एकदम सही है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह आकलन गलत है। आइए देखें कैसे, दोनों गठबंधन की कुल संख्या में कोई बदलाव नहीं करते हुए यदि यूपी की सिर्फ 15 सीटों में फेरबदल होकर सपा को 22 एवं भाजपा को 55 सीटे मिलती, बदले में इन राज्यों में वर्तमान संख्या में से असम से 1, ओडिसा 3, देहली 2, हिमाचल 1, गुजरात 1, छग 2, मप्र 4, केरल 1 कुल 15 सीटों की कमी हो जाती तो ये सारे नरेटिव बदल जाते। यूपी एवम इंडी गठबंधन की जीत वास्तव में अखिलेश की रणनीति की जीत है। इन सबके बावजूद हकीकत को झूठलाया नहीं जा सकता, भाजपा के नुकसान से मोदी की साख पर प्रश्न चिह्न लगने लगे है। यदि मोदी का लक्ष्य 2047 तक राष्ट्र को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का है, तो उन्हें घरेलू मोर्चे पर आमूलचूल बदलाव एवम संतुलन बनाना होगा।

भारत द्वारा संपूर्ण विश्व को दिया गया योग, वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा का अद्भुत उदाहरण है : केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री उईके

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हजारों लोगों के साथ जनप्रतिनिधियों ने किया योग

बैतूल। केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके ने कहा कि योग सारे विश्व को भाईचारे के रूप में एक सूत्र में पिरोने का प्रबलतम उदाहरण है। राज्यमंत्री श्री उईके दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बैतूल के जयवंती हक्सर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में जिलास्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। तत्पश्चात सामूहिक योग करके जीवन में योग को अपनाएं जाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विधायक हेमंत खंडेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन,पुलिस अधीक्षक

निश्चल झारिया, अपर कलेक्टर राजीव श्रीवास्तव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी ओमपाल भदौरिया सहित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद दुर्गादास उइके ने कहा कि भारत की सनातन परंपरा योग का महत्व आज पूरी दुनिया समझ चुकी है, इसलिए दुनिया के 175 से ज्यादा देश भारत की योग परंपरा को अपना रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 10 वर्ष पूर्व संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से संपूर्ण विश्व ने योग को अपनाया था। आज सारा विश्व योग दिवस मना रहा है। भारत द्वारा संपूर्ण विश्व को दिया गया योग वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा का प्रबल उदाहरण है।

योग हमारे मन और मस्तिष्क को आपस में जोड़ता है-बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि योग केवल स्वस्थ जीवन के लिए नहीं है, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए भी जरूरी है। योग की प्राचीन परंपरा हम सभी को स्वस्थ जीवन से जोड़ती है। योग हमारे मन और मस्तिष्क को आपस में जोड़ता है। योग से एकाग्रता आती है और याददाश्त बढ़ती है। आज पूरी दुनिया योग के महत्व को समझ कर अपने जीवन में योग को अपना रही है। **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दिलाया संकल्प** -केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को सामूहिक योग कार्यक्रम में उपस्थित जनों को योग स्वयं के लिए और समाज के लिए का संकल्प दिलाया। संकल्प में उन्होंने सभी के सुखी होने, सभी के निरोग रहने और राष्ट्र और समाज के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

योग की मुद्राओं का किया अभ्यास-व्यक्तियों ने सामूहिक रूप से ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, कटिचक्रासन, दण्डासन, वज्रासन, तितली आसन, उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तान मंडूकासन, वज्रासन, मकरासन, सेतुबंध आसन, उत्तानपादासन, पवनमुक्तासन और शवासन किए। आसनों के बाद कपालभाति, नाड़ी शोधन, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, आदि प्राणायाम किए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा कार्यालय में लगा योग शिविर केन्द्रीय राज्य मंत्री , जिलाध्यक्ष, विधायक व नपाध्यक्ष हुए शामिल

बैतूल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भारतीय जनता पार्टी के जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में गंज व कोठीबाजार मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित योग शिविर में केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ,बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर ने कार्यकर्ताओं के साथ योग शिक्षक सुनिल कुबडे व हितेश पटेल के मार्ग दर्शन में योग किया। इस अवसर पर श्री उइके ने कहा कि यूं तो अनादिकाल से ही योग भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। किसी भी धार्मिक अथवा आध्यात्मिक साधना की सिद्धि से पूर्व योगाभ्यास द्वारा शरीर को साधने का कार्य योग द्वारा किया जाता है। महर्षि पतंजलि सहित अनेक योग शास्त्रियों ने योग के सरलीकरण का सराहनीय कार्य किया, ताकि आम जनमानस के लिए योग सुलभ हो सके।

स्वस्थ जीवन का आधार योग प्राणायाम : राजा साहू

बैतूल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बैतूल जिला तैराकी विकास उत्थान समिति के जिलाध्यक्ष राजा साहू ने जानकारी दी, कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अपार धरोहर योग को विश्व के पटल पर अंतरराष्ट्रीय दर्जा दिलाया है भारत नहीं, आज विश्व के दूसरे में योग किया जाता है। आज 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वीर सावरकर तरण ताल विवेकानंद वार्ड बैतूल में राजा साहू ने स्विमिंग पुल के पानी के ऊपर लेट कर बिना हाथ पैर चलाए ध्यान मुद्रा में रहे व सभी स्विमिंग सदस्यों ने सामूहिक रूप से पानी में व पानी के बाहर योग प्राणायाम भी किया। यह जानकारी देते हुए भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मीडिया मेंबर राजा साहू ने बताया कि प्रत्येक मनुष्य को दिन के 24 घंटे में से कम से कम 1 घंटे अपने शरीर के लिए योग प्राणायाम आवश्यक रूप से करना चाहिए। योग करने से शरीर की ही नहीं, मानसिक शांति का भी लाभ अर्जित होता है, और जो की बिलकुल निशुल्क होता है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम अपने जीवन में रोज सुबह 1 घंटे योग आवश्यक रूप से करना चाहिए। योग- प्राणायाम को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल किया जाना चाहिए।

योग शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का आधार : वर्षा गड़ेकर

बैतूल/मुलताई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय पी एम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने योग अभ्यास मुद्राओं की सुंदर प्रस्तुति दी। कन्या शाला प्रांगण में आयोजित योग अभ्यास का प्रारंभ नपाध्यक्ष वर्षा गढ़ेकर ने मां ताप्ती के छायाचित्र पर माल्या अर्पण कर किया। इस अवसर पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सक्षम बारमेटे, बीआरसी आशीष चंद्र शर्मा, पार्षद महेंद्र जैन (पील्लु), पंजाब चीकाने उपस्थिति थे। विश्व योग दिवस के अवसर पर छात्राओं ने खेल शिक्षिका रश्मि बाथरे के निर्देशन में योग एवं प्राणायाम की प्रस्तुति दी। नपाध्यक्ष वर्षा गढ़ेकर ने योग का महत्व बताते हुए कहा कि योग शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण आधार है इसलिए हमें योग को अपने प्रति दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। आज दुनिया के 167 देशों ने भारतीय योग विद्या को अपनाया है ।

स्वयं एवं समाज के लिए योग थीम पर आयोजित हुआ योग कार्यक्रम

मुलताई। योग दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं आयूष विभाग घाटबिरोली के तत्वावधान में हाईस्कूल ग्राऊंड पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का आरंभ प्रधान प्राचार्य अतूल माकोडे द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया, योगाचार्य रागिनी शिवहरे सहयोगी राज ने सभी को योग करवाया।

सतपुड़ा वैली के छात्रों ने कैंब्रिज चैक पॉइंट रिजल्ट्स जून 24 में बेहतरीन परीक्षा परिणाम के साथ चमक बिखेरी

बैतूल। शैक्षणिक कौशल का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए,कैंब्रिज लोअर सेकंडरी चैक पॉइंट रिजल्ट्स जून 24 में सतपुड़ा वैली स्कूल के आरव मिश्रा, महेश्वेर मवासे,शौर्य तातेड़ आर्यन प्रजापति,वही कैंब्रिज प्राइमरी चैक पॉइंट रिजल्ट्स जून 24 में अरुन्दति वैद्य,सेजल सरियाम, दृष्टि नरवरे ने हाल ही में आयोजित परीक्षाओं में अपने असाधारण प्रदर्शन के साथ एक नया मानदंड स्थापित किया है। विभिन्न विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करके, इन युवा विद्वानों ने समर्पण, दृढ़ता और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। उनकी सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा को उजागर करती है, बल्कि शिक्षकों और परिवारों द्वारा पोषित सहायक वातावरण को भी दर्शाती है। उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाना साथियों के लिए प्रेरणा का काम करता है और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के महत्व को रेखांकित करता है। स्कूल डायरेक्टर श्रीमती दीपाली निलय डागा प्राचार्या जया चक्रवर्ती स्कूल मैनेजर शिवशंकर मालवीय एवं स्कूल परिवार इन उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वालों को उनकी अच्छी तरह से योग्य सफलता के लिए गर्व से बधाई देता है।

दो दिन बंद रहेगी शहर की सड़क

बैतूल। वन रक्षक भर्ती परीक्षा के द्वितीय चरण में 27 जून से

28 जून तक वन रक्षक की पैदल चाल परीक्षा के लिए वन विद्यालय से बरसाली मार्ग सामान्य आवाजाही के लिए बंद रहेगा। वन मंडल अधिकारी विजयानन्तम.टीआर ने इस संबंध में जारी आदेश में लेख किया है कि 12.5 किमी की पैदल चाल परीक्षा प्रात:रू 5 बजे से 11 बजे तक आयोजित की जाएगी। इस अवधि में इस मार्ग पर सामान्य परिवहन प्रतिबंधित रहेगा। कार्यालय वनमंडलाधिकारी दक्षिण के अंतर्गत आयोजित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों के अभिलेख परीक्षण, शारीरिक माप एवं पैदल चाल परीक्षा आयोजित की जाएगी।

कैफे संचालक से पचास हजार की ठगी, घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

बैतूल। जिले में ऑनलाइन ठगी की घटनाएं बढ़ते जा रही है। पुलिस ठगी करने वालों पर ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है जिससे ठगों के हौंसले बुलंद होते जा रहे हैं। ऑनलाइन ठगी का एक ऐसा ही मामला एक ओर सामने आया है। अज्ञात ठग ने कैफे संचालक के साथ पचास हजार रुपए की ठगी कर ली और ठग मौके से फरार हो गया। गंज स्थित रेन्बो कैफे संचालक दिपाशु जैन ने बताया कि बुधवार की शाम को एक अज्ञात व्यक्ति पैसे ट्रांसफर करने दुकान पर पहुंचा। उक्त व्यक्ति ने कहा कि मेरे पचास हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दो, मैं तुम्हे नगद राशि देता हूं। रुपए ट्रांसफर करने के लिए उक्त व्यक्ति कुछ समय तक बैठा रहा और कहा कि मेरे पिताजी बैंक से नगद रुपए ला रहे हैं आप तब तक पचास हजार रुपए ट्रांसफर कर दो मैं यही बैठा हूं। जब रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर हुए तो ठग ने कहा कि वह बाजू में तेल और किराना दुकान से सामान खरीदना है। मैं सामान की लिस्ट सौंपकर आता हू। इतना कहकर ठग कैफे से रफूचक्कर हो गया। जब कैफे संचालक उक्त किराना दुकान पहुंचे और अज्ञात व्यक्ति के बारे में जानकारी पूछी तो पता चला कि वह दुकान पहुंचा था, लेकिन उसने कोई सामान नहीं लिया। ठग के जाने के बाद कोई भी व्यक्ति नगद पैसे लेकर कैफे पर नहीं पहुंचा। इस तरह से कैफे संचालक के साथ ऑनलाइन पचास हजार रुपए की धोखाधड़ी कर दी। इस पूरे मामले की शिकायत गंज थाने में दर्ज की है।

कबीर साहेब प्रकट दिवस पर हो रहा विशाल महासमागम, हुए 151 दहेज मुक्त विवाह

सतलोक आश्रम बैतूल में विशाल भंडारे का दूसरा दिन, लाखों की तादाद में पहुंचे श्रद्धालु, रक्तदान, देहदान का आयोजन

बैतूल। कबीर साहेब के 627वां प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में संत रामपाल महाराज के सानिध्य में सतलोक आश्रम उड़दन बैतूल में तीन दिवसीय महा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। कई दिनों से आश्रम में महा समागम की जोरों शोरों से तैयारियां चल रहीं थीं और 20 जून 2024 को शुरू हुए इस विशाल भंडारे का शुक्रवार 21 जून को दूसरा दिन था जिसका समापन आज 22 जून को होगा। समागम में लगातार लाखों श्रद्धालुओं का आना जारी है और साथ ही संत गरीब दास महाराज द्वारा बोली गई वाणियों का संग्रह अमर ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ संत रामपाल महाराज के मुखारविंद से पहले ही दिन प्रारंभ हो चुका है। आपको बता दें इस विशाल भंडारे की सबसे खास बात यह है कि यहां पर जो भी भंडारा बनाया गया है वह शुद्ध देशी घी से निर्मित है, तेल का बिल्कुल भी प्रयोग नहीं किया गया है। पवित्र श्रीमद्भागवत गीता के अध्याय 3 श्लोक 10 से 15 में वर्णित है कि पूर्ण परमात्मा शास्त्र अनुसार किए गए धार्मिक अनुष्ठान में सदा ही प्रतिष्ठित होते हैं। इस पापनाशक भंडारा करने से श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति मिलती है ।

151 जोड़ों के दहेज रहित विवाह सम्पन्न-कबीर प्रकट दिवस पर हो रहे समागम के दूसरे दिन समाज से दहेज नामक कुप्रथा को खत्म करने के लिए संत रामपाल जी महाराज के सानिध्य में सतलोक आश्रम बैतूल में कुल 151 जोड़ों के दहेज रहित विवाह संपन्न हुए।

456 यूनिट से अधिक लोगो ने किया रक्तदान- इस विशेष अवसर पर संत रामपाल महाराज के अनुयायियों द्वारा सामाजिक व परोपकारी कार्य रक्तदान को कैसे भूला जा सकता था। यहीं कारण था कि समागम के दूसरे दिन 21 जून को रक्तदान शिविर भी लगाया गया, जिसमें संत रामपाल के अनुयायियों द्वारा 456 यूनिट रक्तदान किया गया,8138 अनुयायियों द्वारा देहदान के संकल्प फार्म भरे गए। साथ ही संत रामपाल जी महाराज जी के ज्ञान को समझकर 2108 नई पुण्यात्माओं ने नि:शुल्क नामदीक्षा लेकर अपने मानव जीवन को सफल बनाया।

पति की लंबी आयु के लिए महिलाओं ने रखा वट सावित्री व्रत

पूजन के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची ताप्ती तट

मुलताई। पवित्र नगरी में वट सावित्री व्रत पर्व महिलाओं ने उत्साह पूर्वक मनाया। यह व्रत महिलाएं अपने पति की लंबी आयु करती हैं। वट सावित्री पूजा विवाहित महिलाओं द्वारा की जाती है माना जाता है कि व्रत का पालन करने से महिलाएं अपने पति के लिए सौभाग्य और परिवार के लिए समृद्धि प्राप्त करती है। वट सावित्री पूजन में वटवृक्ष का अत्यंत महत्व बताया जाता है यही कारण है कि व्रत के दिन ताप्ती तट पर पूजन करने के लिए महिलाओं की भारी भीड़ दिखाई दी। महिलाओं ने बताया कि आज वट वृक्ष का पूजन कर पति की लंबी उम्र के लिए कामना मांगी जाती है। महिलाओं ने बताया कि व्रती महिलाओं को इस दिन सोलह श्रृंगार करके पूजा करनी चाहिए। इस दिन बरगद के पेड़ के चारों ओर कलावा या कच्चा सूत लपेटते हुए 7 या 11 परिक्रमा जरूर करनी चाहिए। व्रत वाले दिन बरगद के पत्तों की माला भी जरूर पहननी चाहिए। इस दिन बरगद के पेड़ के नीचे बैठकर वट सावित्री व्रत की कथा जरूर सुननी चाहिए।

महिलाओं ने बताया कि इस व्रत से सत्यवान और सावित्री की कथा जुड़ी हुई है। जब सावित्री ने अपने संकल्प और श्रद्धा से, यमराज से अपने पति सत्यवान को जीवन दान पाया था। इसलिए इस दिन महिलाएं भी संकल्प के साथ अपने पति की आयु और प्राण रक्षा के लिए इस दिन व्रत और संकल्प लेती हैं। आज पूजन के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं ताप्ती तट पर पहुंची थीं।

जनजातीय वर्ग की योजनाओं का क्रियान्वयन ऐसा करें, जिससे हर हितग्राही लाभान्वित हो : जनजातीय कार्य मंत्री डॉ.शाह

बैतूल। जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ.कुंवर विजय शाह गुरुवार को आकस्मिक भ्रमण के दौरान सर्किट हाउस बैतूल पहुंचे। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, वन विभाग डीएफओ विजयानन्तम टी.आर., वन संरक्षक एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से जनकल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की। मंत्री डॉ.शाह ने जनजातीय वर्ग के लिये संचालित योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जाकर निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति शत-प्रतिशत किए जाने तथा जनजातीय वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए भी समुचित प्रयास किये जाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए गए।

35 वर्षों की रचनात्मक यात्रा - जन परिषद

बैतूल। पूर्व डीजीपी और जन परिषद के मुखिया आदरणीय श्री एन के त्रिपाठी एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के सक्षम नेतृत्व, रामजी श्रीवास्तव के दोस्तों की अतुलनीय मेहनत एवं प्रयासों से तथा जन परिषद के अनेक शुभचिंतक पत्रकार भाइयों के बेमिसाल और अतुलनीय सहयोग से , संस्था जन परिषद, आगामी 30 जून 2024 को अपनी रचनात्मक यात्रा के सुनहरे 35 वर्ष पूर्ण कर रही है द्यएक तरफ यात्रा का यह पड़ाव उन्हें प्रफुल्लित कर रहा है तो दूसरी ओर उनको उन तमाम सहयात्रियों की भी याद दिला रहा है, जिन्होंने पूरे समर्पित भाव से जन परिषद को पल्लवित किया परंतु आज वे उनके बीच नहीं हैं। वे जहां भी होंगे , अपने लगाए पौधे के इस विराट रूप को देखकर प्रसन्न होंगे तथा अपना अपना आशीर्वाद दे रहे होंगे , उन्हें जन परिषद ने अपनी ओर से कृतज्ञ श्रद्धांजलि प्रेषित की है। संस्था के संयोजक एवं पत्रकार रामजी श्रीवास्तव के अनुसार जन परिषद ने भले ही गत 35 वर्षों में अनेक ऐतिहासिक एवं रचनात्मक कार्य किए हों, दस अंतराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंसो (तीन विदेशो मे) का आयोजन किया हो,कई विधाओं के हजारों गुमनाम से परंतु बिरले प्रतिभा के धनी व्यक्तित्वों को गरिमापूर्ण ढंग से सम्मानित किया हो, इस यात्रा में हजारों लाखों लोग जन परिषद से जुड़े हों, पूरे देश में जन परिषद के 210 चैप्टर्स गठित हुए हों , कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तित्व जन परिषद से जुड़े हों , परंतु फिर भी जन परिषद की असल ताकत वे चैप्टर्स हैं और माननीय सदस्य हैं, जो निस्वार्थ भाव से समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं द्य जन परिषद उन्हें प्रणाम करना नहीं भूलती है।

ज्ञात हो , जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 35 वर्षों से सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवम् अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है। और अब जन परिषद सबके प्रयासों सेवअंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण करने का विनम्र प्रयास कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जन परिषद को, इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ पीपल,कहा जायेगा , जिसका शाब्दिक अर्थ है अंतर्राष्ट्रीय जन परिषद संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवं सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं।

संस्था का मुख्य आधार मानवीय , सामाजिक एवं राष्ट्रीय दृष्टिकोण है द्य संस्था के एक समारोह में प्रदेश के उप लोकायुक्त जस्टिस माननीय श्री एस के पालो साब ने कहा था कि जन परिषद का वर्तमान स्वरूप जन परिषद की मंजिल नहीं बल्कि एक पड़ाव है , उनका यह वाक्य एक तरफ हमारे लिए आशीर्वाद है तो दूसरी तरफ हम सबके लिए और आगे बढ़ने एवं प्रोत्साहित होने का मूलमंत्र। साधुवाद है उन्हें द्य हमारी इस यात्रा में प्रत्येक वर्ग से जन परिषद के पौधे से वटवृक्ष बनने की 35 वर्षों की यात्रा ईश्वर के आशीर्वाद से, हमारे चेयरमैन ,पूर्व डीजीपी और हम सबके अग्रज आदरणीय श्री एन के त्रिपाठी सर एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के सक्षम नेतृत्व, दोस्तों की अतुलनीय मेहनत एवं प्रयासों से तथा जन परिषद के अनेक शुभचिंतक पत्रकार भाइयों के बेमिसाल और अतुलनीय सहयोग से , आपकी अपनी संस्था जन परिषद, आगामी 30 जून 2024 को अपनी रचनात्मक यात्रा के सुनहरे 35 वर्ष पूर्ण कर रही है। एक तरफ यात्रा का यह पड़ाव हमें प्रफुल्लित कर रहा है तो दूसरी ओर हमें अपने उन तमाम सहयात्रियों की भी याद दिला रहा है, जिन्होंने पूरे समर्पित भाव से जन परिषद को पल्लवित किया परंतु आज वे हमारे बीच नहीं हैं । वे जहां भी होंगे , अपने लगाए पौधे के इस विराट रूप को देखकर प्रसन्न होंगे तथा अपना अपना आशीर्वाद दे रहे होंगे , उन्हें हम सबकी ओर से कृतज्ञ श्रद्धांजलि। जन परिषद ने भले ही गत 35 वर्षों में अनेक ऐतिहासिक एवं रचनात्मक कार्य किए हों, दस अंतराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंसो (तीन विदेशों में)का आयोजन किया हो,कई विधाओं के हजारों गुमनाम से परंतु बिरले प्रतिभा के धनी व्यक्तित्वों को गरिमापूर्ण ढंग से सम्मानित किया हो , इस यात्रा में हजारों लाखों लोग जन परिषद से जुड़े हों, पूरे देश में जन परिषद के 210 चैप्टर्स गठित हुए हों , कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तित्व जन परिषद से जुड़े हों , परंतु फिर भी जन परिषद की असल ताकत वे चैप्टर्स हैं और माननीय सदस्य हैं, जो निस्वार्थ भाव से समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं द्य प्रणाम हैं उन्हें, साधुवाद हैं । जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 35 वर्षों से सामाजिक एवम् रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है। और अब आप सबके संबल से जन परिषद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण करने का विनम्र प्रयास कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपकी अपनी जन परिषद को, इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ पीपल ,कहा जायेगा , जिसका शाब्दिक अर्थ है अंतर्राष्ट्रीय जन परिषद द्य संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवं सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं।संस्था का मुख्य आधार मानवीय , सामाजिक एवम् राष्ट्रीय दृष्टिकोण है। हमारे एक समारोह में प्रदेश के उप लोकायुक्त जस्टिस माननीय श्री एस के पालो साब ने कहा था कि जन परिषद का वर्तमान स्वरूप जन परिषद की मंजिल नहीं बल्कि एक पड़ाव है , उनका इस एक वाक्य को जन परिषद ने एक तरफ अपने लिए आशीर्वाद माना । तो दूसरी तरफ प्रोत्साहित होने का मूलमंत्र। संस्था की इस यात्रा में संस्था को प्रत्येक वर्ग से संबल और आशीर्वाद मिला है, पर श्री श्रीवास्तव के अनुसार पत्रकार बंधुओं ने , बिना किसी व्यवसायिक हित के ,जो अतुलनीय सहयोग दिया है , उसकी जितनी सराहना की जाए , कम है। इस यात्रा में जन परिषद टीम ने अनेक खट्टे मीठे अनुभव भी किए , मान भी पाया और कई बार अपमान भी सहा,लेकिन पूरी टीम अपने लक्ष्य से भटकी नहीं और उसी का परिणाम है उनका , आज का यह उत्साहजनक एवं सुखद पड़ाव।

संस्था के उपाध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी श्री महान भारत कहते हैं कि हम सब मिलकर कोशिश करेंगे कि रचनात्मक यात्रा का यह सिलसिला चलता रहे , तथा यह अभियान और ज्यादा तेज गति से चले। वे करते हैं कि राचनात्मक दृष्टिकोण वाले व्यक्तियों को इस सिलसिले से जुड़कर ,संस्था को अपना अपना आशीर्वाद और संबल प्रदान करना चाहिए क्योंकि दिग्गज फिल्म अभिनेता श्री यशपाल शर्मा का कहना है कि वर्तमान परिवेश में जन परिषद जैसी संस्थाएं ,समाज की आवश्यकता हैं ।

पानीहाटी दही चिड़ा महोत्सव उत्साह पूर्वक मनाया

नर्मदापुरम। इस्कॉन मंदिर परिवार ने उत्सवों की श्रृंखला बढ़ाते हुए नर्मदा घाट स्थित विध्यांचल यात्री शेड में पहली बार पानीहाटी दही चिड़ा महोत्सव आयोजित किया। नगर संकीर्तन के साथ प्रारंभ हुए इस महोत्सवी आयोजन में इंदौर से पधारे श्रीमान महामन प्रभु सराफा चौक से कार्यक्रम स्थल तक मंदिर परिवार के सदस्यों के साथ नाचते गाते संकीर्तन करते हुए शामिल हुए, 6.45 बजे गौर आरती के पश्चात 8 बजे श्रीमान महामन प्रभु जी ने पानीहाटी दही चिड़ा महोत्सव लीला पर प्रकाश डाला। यह लीला कलकत्ता में गंगा जी के तट हुई थी। जो रघुनाथ दास जी द्वारा भगवान चैतन्य महाप्रभु के प्रति समर्पण को लेकर की गई थी। धनवान परिवार के होने के बावजूद रघुनाथ दास जी को भौतिक जगत से कोई लगाव नहीं था बताया गया। हमेशा चैतन्य महाप्रभु से मुलाकात करने के लिए घर से भाग जाने वाले रघुनाथ दास को उनके पिता खोजबीन कर हमेशा घर वापस ले जाते थे। लेकिन भौतिक आकृषण से दूर हमेशा घर से भाग जाने वाले रघुनाथ दास की मुलाकात चैतन्य महाप्रभु से होने के बाद उनके पर वे घर वापस हुए। रघुनाथ दास जी को जब मालूम हुआ नित्यानंद प्रभु जी के आगमन आगमन हुआ तब वे उन्हें देखने गंगा घाट पहुंचे और उन्हें देख कर दूर से ही प्रणाम किया तब नित्यानंद प्रभु जो भगवान बलराम के अवतार कहे गए उन्होंने रघुनाथ दास पर दूर से प्रणाम करने के फलस्वरूप उन्हें दंडित किया और दंड स्वरूप सभी को दही चिड़ा खिलाने था लीला की गई वह लीला महोत्सव के रूप में प्रसिद्ध हुई। उत्सव में भाग लेने इस मौके पर भोपाल इस्कॉन मंदिर से जगन्नाथ प्रभु जी विशेष रूप से शामिल हुए इसके अलावा आस-पास के सेन्टरों से बड़ी मात्रा में कृष्ण भक्तों और वैष्णवों कार्यक्रम में उपस्थित दर्ज कराई। कार्यक्रम में मंदिर परिवार द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों और मंदिर में होने वाले आयोजन की एक सारगर्भित शार्ट फिल्म के जरिए उपस्थित लोगों को मंदिर द्वारा किए जा रहे कार्यों को दिखाया गया जिसकी भूरी भूरी प्रशंसा हुई। अंत में सभी उपस्थित भक्तों ने प्रसादम ग्रहण किया। नगर में इस्कॉन मंदिर परिवार द्वारा इस कार्यक्रम में श्रील प्रभुपाद जी के वरिष्ठ शिष्य श्रीमान महामन प्रभु (दीक्षा गुरु) की विशेष उपस्थिति रही। मंदिर परिवार के मुखिया प्रणव दास प्रभु ने उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को उपस्थित को लेकर उनके प्रति आभार व्यक्त किया साथ ही हमेशा होने वाले उत्सवों में भागीदार होने की अपील की है।

बलात् कब्जा के लिए फड़फड़ाते भू-माफियाओं से मानसिक दबाव झेल रहे परिवार को न्याय मिला..

अनुविभागीय अधिकारी ने अधीनस्थ न्यायालय के पारित आदेश को निरस्त किया..

नाबालिग के हितों का संरक्षण करना न्यायालय का दायित्व...

नर्मदापुरम- संजीव डे राय। भू-माफियाओं को लेकर जेसीबी मशीन के साथ विवादास्पद भूमि पर बलात कब्जा करने पहुंचे राधेश्याम जाट आदर्श गृह निर्माण सहकारी समिति के विरुद्ध पुलिस को जहां एफआईआर दर्ज करना थी पर वहां 19 जून को पुलिस ने जमीन पर काबिज पुरुषोत्तम यादव सहित उसके पिता धनराज यादव और मां प्रेम बाई यादव पर देहात थाने में 298/24 धारा 294, 506 के तहत मामला पंजीबद्ध कर मामले का रुख ही बदल डाला। घटनाक्रम को देखा जाए तो बगैर बेदखली आदेश के, बगैर आरआई, पटवारी को लिए विवादास्पद भूमि पर जेसीबी मशीन और भू-माफियाओं के साथ बलात् कब्जा करने गए राधेश्याम पिता खेमसिंह उम्र 68 वर्ष सहित कब्जा लेने गई जेसीबी मशीन चालक सहित भू-माफियाओं के विरुद्ध पुलिस को क्षेत्र की शांति भंग करने वाले को केवल सीमांकन के बल पर कब्जा करने गए लोगों को आरोपी बनाकर कर जेसीबी मशीन जप्त करना थी। बलात कब्जा करने वाले के हौसले जिससे बुलंद न हो.. जो यहां नहीं किया गया, फिर इस मामले में वैसे तहसीलदार साहब कानून व्यवस्था भंग नहीं हो घटना स्थल पर पहुंचे थे तहसीलदार साहब को अपनी तरफ से क्षेत्र की शांति भंग करने के लिए गैर कानूनी कब्जा लेने गए लोगों पर मामला दर्ज कर नियंत्रित करना था नहीं कराया गया।

इस का परिणाम यह है कि विधी सम्मत काम नहीं करने वालों का प्रशासन के सामने उदंडता करने का हौसला बढ़ता है और विधी पूर्वक कार्य करने वालों का मनोबल टूटता है। विवादास्पद भूमि का कब्जा विधी सम्मत लेने का इंतजार नहीं करने के पीछे आखिर आदर्श गृह निर्माण सहकारी समिति का उद्देश्य क्या होगा.. यह एक महत्वपूर्ण सवाल यहां उठता है जिसमें समिति भू-माफियाओं का इस्तेमाल करने से नहीं चूकी..? न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रकरण क्रमांक 0143/अपील/2023-24 में पारित आदेश से यह समझा जा सकता है कि समिति बलात् कब्जा करने के पीछे अधीर क्यों रही.. दर असल न्यायालय ने दिए अपने फैसले में माना है कि वर्ष 91 में समिति परिसमापन के उपरांत 32 साल के अंतराल में कथित समिति द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किया जाना उसके अस्तित्व को संदेहास्पद बनाता है। जिसका निर्णय व्यवहार न्यायालय से होना है। इस संबंध में उभय पक्ष ने भी स्वीकार किया है कि व्यवहार न्यायालय में वाद लंबित है। विद्वान न्यायाधीश ने यहां माना कि चूंकि अपीलार्थी द्वारा व्यवहार न्यायालय में यह तथ्य उठाया है कि उसके नाबालिग होने की स्थिति में उसकी संपत्ति विक्रय की गई है जो विधि का एक महत्वपूर्ण प्रश्न है और ऐसी कारवाई करने के लिए स्वतंत्र रहेंगे लिखा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योग का हुआ आयोजन

जिला भाजपाध्यक्ष, विधायकद्वय, अधिकारी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी छात्र-छात्राएं एवं नागरिक उपस्थित रहे

धार। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय खेल प्राधिकरण जेतपुरा धार में सामूहिक योग का आयोजन संपन्न हुआ। आयोजन में जिला भाजपा अध्यक्ष मनोज सोमानी, धार विधायक नीना वर्मा, धरमपुरी विधायक कालूसिंह ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सविता झानिया, एडीएम अश्विनी कुमार रावत , एएसपी डॉ इंद्रजीत बाकलवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशव्यापी कार्यक्रम और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम एलईडी के माध्यम से देखा गया। आयोजित सामुहिक योगा अभ्यास में प्रार्थना चालन क्रिया, योगासन ताड़ासन, वृक्षासन पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन भद्रासन वज्रासन वीरासनअर्ध उष्टासन,उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तान मंडूकासन मरीच्यासन, वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन शलभासन, सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, अर्धहलासन पवनमुक्तासन शवासन, कपालभाति-प्राणायाम, नाड़ीशोधन या अनुलोम विलोम प्राणायाम, शीतली प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम, ध्यान, संकल्प आदि किया गया।

नगर पंचायत परिषद की नित्य बाजार बैठकी की वसूली में अनियमितता, प्रत्येक दुकानदार को रसीद देनी चाहिए : पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

सोहागपुर में बाजार के दिन गुरुवार को जब सैकड़ों दुकानदार अपनी सामग्री बैचने आते हैं। इस बाजार बैठकी की उगाही को लेकर लम्बे अरसे से चल रही अनियमितता को लेकर जनप्रतिनिधियों पतियों का आक्रोश सोहागपुर के नागरिकों को देखने को मिला। इसकी सूचना पर नगर पंचायत परिषद के राजस्व निरीक्षक ने दुकानदारों का पंचनामा बनाया। गुरूवार को पूर्व मोहन कहार, पूर्व दीपक साहू ,पूर्व पार्षद राकेश चौरसिया , पूर्व पार्षद जगदीश अहिरवार ,वसीम खान पार्षद आदि ने गुरुवार को बाजार का मुआइना किया। उल्लेखनीय है कि सभी पूर्व पार्षदों की पत्नियां नगर पंचायत परिषद में पार्षद हैं।मोहन कहार ने सुबह सवेरे संवाददाता को बताया कि विगत लम्बे अरसे से बाजार बैठकी वालों से वसूली करके रसीद नहीं दी जाती थी। वहीं दुकानदारों से नियम के हिसाब से अधिक वसूली करने के बाद भी रसीद नहीं काटी जाती थी। आपने आगे बताया कि सब्जी वाले दुकानदारों से बीस बीस रूपये की वसूली की जाती थी। लेकिन रसीद नहीं दी जाती थी। सोहागपुर में बाजार के दिन करीबन 5 सौ से अधिक दुकानदार आते हैं। वहीं मुर्गी बेचने वालों से पचास पचास रूपये, कुल्फी जगह जगह बैचने वालों से साठ,साठ रूपये की अवेध वसूली

की जाती थी। लेकिन किसी को भी इसकी रसीद नहीं दी जाती थी।बताया जा है कि इस मामले को लेकर कई नगर पंचायत परिषद में शिकायतें मौखिक की जाती रही थी। लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ।तब जनप्रतिनिधियों का गुस्सा फुट पड़ा।मजबूरन में नगर पंचायत परिषद को पंचनामा बनवाना पड़ा। नगर पंचायत परिषद के पंचनामा राजस्व निरीक्षक संजय परसाई, कपिल सोनी, प्रहलाद आदि ने दुकानदारों से बनवाया। जिसमें दुकानदारों ने कहा कि आज रसीद दी है। लगभग दो सालों से रसीद ही नहीं दी जाती थी। इस मामले की की नगर पंचायत परिषद के अलावा कई लोगों ने वीडियोग्राफी भी की। पूर्व पार्षद मोहन कहार ने आगे बताया कि दुकानदारों ने कहा कि हमें कई सालों से बैठकी की रसीदें नहीं दी जाती थी। परन्तु आज हमें रसीद मिली है।

सोशल मीडिया -गुरूवार के दिन इसी मामले को लेकर सोशल मीडिया पर कई सवाल खड़े किए गए। कई कटाक्षों को नागरिकों के लिए परोसा गया। कांग्रेस के वरिष्ठ पार्षद धर्मदास बेलवंशी ने सोशल मीडिया पर वीडियोग्राफी एवं फोटो डालने के बाद एक हिसाब से पार्षद पतियों पर ही कटाक्ष कर डाला। उन्होंने लिखा कि जब पूर्व नगरपालिका अधिकारी दीपक रानवे के समय मात्र पन्द्रह सौ बाजार बैठकी जमा होती थी। लेकिन जब से नगरपालिका अधिकारी जीएस राजपूत ने सोहागपुर नगर पंचायत परिषद का प्रभार लिया। तबसे सात हजार पांच सौ रुपये जमा हो रहे हैं। बाजार बैठकी की किस समय निरीक्षण की आवश्यकता थी।

सीएमओ से संपर्क नहीं हुआ-इस संबंध में राजस्व निरीक्षक संजय परसाई ने बताया कि हमने गुरूवार को दुकानदारों के पंचनामे बनाएं। जिसमें दुकानदारों ने बताया कि हमें बरसों से रसीद नहीं मिलती थी। किन्तु आज हमें रसीद दी गई है। श्री परसाई ने आगे बताया कि प्रतिदिन पहले चार , पांच की वसूली होती थी।अब सात,सौ,आठ रूपये की वसूली आ रही है। वहीं गुरूवार के दिन पहले करीबन एक हजार सात सौ, वर्तमान में सात हजार पांच रूपये की वसूली जमा हो रही है।

पूर्व नपाध्यक्ष - पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय ने सुबह सवेरे संवाददाता को बताया कि इतने लम्बे अरसे से दुकानदारों को रसीद नहीं देना अनियमितता है। दुकानदारों को रसीद देना चाहिए। क्योंकि गड़बड़ झाला है कि क्या सोहागपुर की बाजार बैठकी प्रतिदिन पांच रूपये आने चाहिए?। गुरूवार के दिन सैकड़ों दुकानदार आते हैं। क्या इतनी वसूली होती है यह यज्ञ प्रश्न है?

पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष -पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष पुष्पराजसिंह पटैल ने सुबह सवेरे संवाददाता को बताया कि मैं पहले ही कह चुका हूं।कि सोहागपुर नगर पंचायत परिषद में 9,9 अध्यक्ष हैं।तो गड़बड़ी होना लाजमी है। अब सवाल आता है कि दुकानदारों को रसीद तो देना चाहिए। यदि लम्बे अरसे से रसीद नहीं दी जाती थी।तो पूरी परिषद, कर्भीमचारियों की उक्त कार्य में संलिप्त से इन्कार नहीं किया जा सकता।

नीट- यूजी 2024 परीक्षा में हुई भारी धांधली एवं प्रदेश में हुए नर्सिंग घोटाले को लेकर कांग्रेस का जिला स्तरीय धरना प्रदर्शन हुआ

धार। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशन में धार जिला मुख्यालय पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिलाध्यक्ष कमलकिशोर पाटीदार व शहर युवक काग्रेस अध्यक्ष रोहित कामदार के नेतृत्व में नीट- यूजी 2024 परीक्षा में हुई भारी धांधली एवं प्रदेश में हुए नर्सिंग घोटाले को लेकर धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया ।

जिसमे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक हाजी मुजीब कुरैशी, संगठन मंत्री मधु मोहन हिरोड़कर शहर अध्यक्ष जसबीर टोनी छाबड़ा महिला जिला कांग्रेस अध्यक्ष मीना मारू, संभागीय प्रवक्ता शुभांगना राजे, वरिष्ट उपाध्यक्ष हरिराम पाटीदार, देवेंद्र पाटीदार ब्लॉक अध्यक्ष धरमपुरी,मोहन जायसवाल ब्लाक अध्यक्ष धामनोद, कैलाश जाखड़ ब्लॉक अध्यक्ष उमरबन, लियाकत पटेल, राजेश पटेल ने संबोधित करते हुए शासन द्वारा हुई धांधली का विरोध किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रवक्ता युवक कांग्रेस जीतू बाबा चौहान ने किया एवं आभार युवक शहर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित कामदार ने माना।

कार्यक्रम में जगदीश सेन जिला महामंत्री, जावेद खान महामंत्री, सुरेश परमार, निलेश जायसवाल,मनीष भार्गव महामंत्री,कृष्णा पवार, जिलाअध्यक्ष, शहर अध्यक्ष युवक कांग्रेस रोहित कामदार, बंटी वर्मा,मनोज चौहान,सुनील चौहान,मोहन डामोर,अज्जू ठाकुर,संजू मालवीय, संजय प्रजापत शकील खान, अर्पित बाबा , कांग्रेसी पधाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जानकारी जिला प्रवक्ता जीतू बाबा चौहान ने दी।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर मंगल भवन में योग संपन्न

सुबह सवेरे सोहागपुर । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मंगल भवन में जनपद, जन अभियान परिषद एवं नगर पंचायत परिषद के संयुक्त तत्वावधान में योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर

अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत,सीईओ श्री अग्रवाल , पूर्व प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राजो मालवीय,जन अभियान परिषद विकास खंड समन्वयक किशोर कड़ोले आदि की टीम एवं शिक्षा विभाग के श्री सिंह आदि मार्गदर्शन में योग की विभिन्न मुद्राओं का अनुसरण करके अंतरराष्ट्रीय योग मनाया गया।

इसी क्रम में जनपद सीईओ श्री अग्रवाल ने नशामुक्ति की सभी को शपथ दिलाई। आपने कहा कि हमें नशे से लड़ना है । तथा नशे को बाहर भगाना है। नशा करने वालों को समझना होगा कि नशे के कितने दुष्परिणाम हैं। इसके उपरांत अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत ने सभी को विश्व योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को योग के लिए धन्यवाद किया ।कि आज हम विश्व में योग गुरु के नाम से जाने जाते हैं। इस कार्यक्रम में नवांकुर,मेंटर संदेश मिश्रा, सचिन विश्वकर्मा, मंजु मेडम , जन अभियान परिषद के छात्र छात्राओं एवं समितियों के द्वारा भी विश्व योग दिवस पर योग करने से स्वस्थ रहने का संदेश प्रदान किए गए।

पूरा विश्व आज योगमय है,श्रद्धालय वृद्धाश्रम में हुआ विशेष योगसत्र

धार । स्वस्थ्य रहने के लिए प्रतिदिन योग आवश्यक है। योग व व्यायाम में अंतर है। व्यायाम से शरीर पर योग से शरीर, मन व आत्मा भी निखरती है। योग भारत की विश्व समुदाय को दी एक और अनुपम भेंट है।

योग से शुगर, ब्लडप्रेशर, अनिद्रा, अपाचन, जोड़ों में दर्द, श्वास रोगों का बिना दवाई उपचार भी संभव है। ये विचार विश्व योग दिवस पर वृद्धाश्रम में योगसत्र के बाद भोज शोध संस्थान के निदेशक डॉ दीपेंद्र शर्मा, पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ रेखा सिंघल, धावक अनिता शर्मा ने व्यक्त किये।

योगाचार्य की भूमिका रामकिशोर पांडे थे। इस अवसर पर प्रतिदिन आश्रम में योग करवाने वाले रामकिशोर पांडे व श्याम पवांर का सम्मान अशोक

चौहान, बिक्रम भैसोड़ा, शकुंतला सिसोदिया व विद्या गुंजाल ने किया। इस विशेष अवसर पर पीपल, नीम व रजनीगंधा के पौधों का रोपण किया गया। पौष्टिक आहार आम रस व बीये अर्चना गुप्ता द्वारा करवाये गए। सर्वे भवन्तु सुखिन: प्रार्थना से सत्र का समापन हुआ।

योग दिवस पर रिमझिम फुहारों के बीच सैकड़ों ने किया योग

देवास। 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य आयोजन में राम नगर फ्लाई ओवर पर सुबह 6.30 बजे से बारिश के बावजूद हजारों लोगों ने सामूहिक योग किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट सहित जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने उत्साह से भाग लिया। जिला प्रशासन, नगर निगम तथा आयुष विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय मुख्य आयोजन में बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोग जुटे तथा प्राणायाम और योग क्रियाओं का अभ्यास किया। योग दिवस की थीम स्वयं के लिए तथा समाज के लिये योग पर आधारित इस आयोजन में मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि योग हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी सेहतमंद समाज के लिए योग के साथ श्रीअन्न की सलाह दे रहे हैं। यहां दिव्य योग संस्थान के योग गुरू राजेश बैरागी ने योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए इनकी उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि थोड़े समय के लिए प्रतिदिन योग करने से मनुष्य स्वस्थ उर्जावान तथा सक्रिय बना रहता है। योग से बीमारियों को दूर किया जा सकता है।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. गिर्राज बाथम ने बताया कि आयुष विभाग जिले में योग गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कृत संकल्पित है। आयोजन में सांसद महेन्द्रसिंह सोलंकी, महापौर गीता अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, नगर निगम अध्यक्ष रवि जैन, विधायक प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि भेरूलाल अटारिया सहित जिला कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे। आयोजन में दिव्य योग संस्थान, शिक्षा विभाग तथा नेहरू युवा केन्द्र का भी सहयोग रहा।

इसी तरह राजोदा रोड स्थित निर्लीप स्पोर्ट क्लब पर भारत विकास परिषद के सदस्य एवं निर्लेप स्पोर्ट्स क्लब के सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग गुरु सुषमा सोनी के मार्गदर्शन में योग किया। इस अवसर पर श्रीमती सोनी ने योग के महत्व को समझाया जीवन मे निरोगी रहने के लिए योग कितना जरूरी है। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के अनेक सदस्य उपस्थित थे। अध्यक्ष मीना राव, सचिव अंतिम अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष शालिनी चव्हाण ने पधारे सभी अतिथियों एवं सदस्यो का आभार। माना उक्त जानकारी परिषद के मीडिया प्रभारी कीर्ति चव्हाण ने दी।

स्वर्गीय तुकोजीराव पवार शासकीय विज्ञान महाविद्यालय देवास में संस्था की प्राचार्य डॉ माधवी माथुर के निर्देशन में योगाभ्यास किया गया एवं जन भागीदारी समिति अध्यक्ष आशीष व्यास कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के द्वारा योग से होने वाले लाभ के महत्व पर परी चर्चा की गई । इसमें लगभग 20 विद्यार्थी एवं डॉ आराधना डिकूना ,डॉ प्रीति मालवीय, अशोक पटेल, दीपक गुप्ता एवं समस्त महाविद्यालय स्टाफ कार्यक्रम में सम्मिलित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ मेघा वाजपेई एवं आभार डॉ अमित द्विवेदी ने माना

बैंक नोट प्रेस में भी दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। बैंक नोट प्रेस के मुख्य महाप्रबंधक एस महापात्र के नेतृत्व में प्रात: 6 बजे बैडमिंटन हॉल ग्राउंड पर नेहरू युवा केंद्र के योग शिक्षक एम जाट ,एम एल के द्वारा स्वयं और समाज के लिए योग थीम पर योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग के मामले में भारत विश्व गुरु है भारत ने योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और योग के जरिए सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया है। शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए योग बेहद फायदेमंद है। यह शरीर को रोग मुक्त और मन को शांत करने में मदद करता है।

म.प्र. में पहाड़ और पानी में योगासन

प्रदेश की सबसे ऊंची चोटी धूपगढ़ में बारिश के बीच योग ; उज्जैन में क्षिप्रा नदी में जलयोग

भोपाल (नप्र)। 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आज मध्यप्रदेश में भी योगाभ्यास किया गया। साधकों ने प्रदेश की सबसे ऊंची चोटी धूपगढ़ से लेकर उज्जैन की क्षिप्रा नदी में योग के आसन किए। हालांकि, बारिश के कारण कहीं कार्यक्रम देरी से हुए तो कहीं जगह ही बदलनी पड़ी।

भोपाल में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन लाल परेड मैदान की जगह मुख्यमंत्री निवास पर हुआ। यहां सीएम डॉ. मोहन यादव ने राज्यस्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम और श्री अन्न संवर्धन अभियान का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा- योग मतलब मन और आत्मा का जुड़ाव। जुड़ाव आत्मा का चेतना से, सार्वभौमिकता से। योग के माध्यम से निरोग रहने के लिए शारीरिक दक्षता की आवश्यकता है। इस दक्षता के साथ आहार का भी उतना ही महत्व है। श्री अन्न अर्थात् मोटे अन्न के माध्यम से हमें यही दक्षता मिलती है।

2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून के दिन को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। तब से इसे अलग-अलग थीम पर मनाया जा रहा है। 2024 के लिए योग दिवस की थीम योगा फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी रही। सीएम डॉ. मोहन यादव ने स्कूल और उच्च शिक्षा में राम और कृष्ण के पाठ पढ़ाए जाने की बात कही।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने की राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ दलहन उत्पादन की समीक्षा

ग्रीष्म कालीन मूंग उपार्जन लक्ष्य सीमा 40 प्रतिशत तक बढ़ाएं : कृषि मंत्री श्री कंसाना

भोपाल(नप्र)। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दलहन उत्पादन की नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा आज समीक्षा की। उन्होंने राज्यों को निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त करने के लिये कहा। समीक्षा बैठक में किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने मूंग उपार्जन के 25 प्रतिशत लक्ष्य सीमा को 40 प्रतिशत तक बढ़ाने का अनुरोध किया।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हम सब मिलकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिये कृत-संकल्पित होकर कार्य करेंगे। उन्होंने बैठक में शामिल मध्यप्रदेश सहित उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, बिहार, आंध्रप्रदेश, झारखंड और तेलंगाना के कृषि मंत्रियों व अधिकारियों को वर्ष 2024-25 के लिये दलहन उत्पादन के लिये निर्धारित किये गये लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति के लिये समुचित आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये हैं। मध्यप्रदेश के लिये वर्ष 2024-25 के लिये तूअर का लक्ष्य 4 लाख टन, मूंग 15.50 लाख, उड़द 9 लाख, मसूर 6.95 लाख, चना 37.50 लाख और अन्य दालों का 2.24 लाख टन सहित कुल 76.19 लाख टन दलहन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश में बीज के लिये 24 हजार क्विंटल बीज उत्पादन का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है।

कृषि मंत्री श्री कंषाना ने बैठक में वर्ष 2024-25 विपणन वर्ष में ग्रीष्मकालीन मूंग के कुल उत्पादन की 25 प्रतिशत उपार्जन लक्ष्य सीमा को बढ़ाकर 40 प्रतिशत तक करने का अनुरोध किया। मंत्री श्री कंषाना ने ओला-पाला से बचाने के लिये जल्दी पकने वाली तुअर की हाइब्रिड किस्म तैयार कराने के लिये संबंधितों को निर्देश देने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के टीकमगढ़, शिवपुरी, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर और हरदा जिलों में आदर्श दलहन गाँव विकसित किये जायेंगे। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल भी उपस्थित रहे।

खजुराहो में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास किया गया

श्रीअन्न संवर्धन अभियान का शुभारंभ हुआ

भोपाल (नप्र)। विश्व पर्यटन नगरी खजुराहो में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पश्चिमी मंदिर समूह कंदारिया महादेव मंदिर प्रांगण में बृहद योगा कार्यक्रम वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार शामिल हुए। योगाभ्यास में लगभग 1500 से अधिक लोग शामिल हुए। श्रीअन्न संवर्धन अभियान का भी शुभारंभ हुआ। वर्चुअली देश के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन को सुना गया। खजुराहो में योगाभ्यास के पूर्व वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में सहभागिता कर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने योगाभ्यास किया।

योग कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री, राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया, नगरपालिका अध्यक्ष छतरपुर ज्योति चौरसिया, नगरपरिषद खजुराहो अध्यक्ष अरुण अवस्थी सहित चंद्रभान सिंह गौतम उपस्थित थे। प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर संदीप जी.आर., जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार एसपी अगम जैन, एडीएम मिलिंद नागदेवे सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

म.प्र.में मानसून आया झूम के, 6 जिलों में बारिश

भोपाल-इंदौर,सीहोर में भी जमकर गिरा पानी, इस बार 106 प्रतिशत बारिश होने की उम्मीद

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मानसून का इंतजार खत्म हो गया है। 6 दिन की देरी से 21 जून, शुक्रवार को मानसून मध्यप्रदेश में एंटर हो गया है। इंदौर, सीहोर में जमकर बारिश हुई। दक्षिण-पश्चिम मानसून मध्यप्रदेश के पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी और अनूपपुर जिलों में प्रवेश कर चुका है।

दोपहर बाद राजधानी भोपाल में भी तेज बारिश हुई। इससे पहले भोपाल में शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे से बारिश शुरू हुई जो शाम तक जारी थी। बैरागढ़ इलाके में सुबह 8 बजे तक 4.8 इंच बारिश हुई। सीहोर में दो घंटे में ही 4 इंच से ज्यादा पानी बरसा। यहां सीवन नदी में बहाव तेज हो गया। गुरुवार तक ये नदी सूखी थी। उज्जैन, रतलाम, नीमच, शाजापुर और रायसेन में देर रात से रुक-रुककर बारिश हो रही है। इंदौर में बादल और तेज हवा चल रही है। सुबह करीब 10.30 बजे कुछ इलाकों में बूंदाबांदी तो कहीं हल्की बारिश हुई।

मौसम विभाग के अनुसार इस बार मानसून 6 दिन देरी से आया है, लेकिन वह खूब बरसेगा। भारतीय मौसम विभाग ने जून से सितंबर यानी चार महीने तक प्रदेश में 104 से 106 प्रतिशत तक बारिश होने का

जिन जिलों में एंट्री, वहां तेज बारिश का दौर

मानसून प्रदेश के जिन 6 जिलों से एंटर हुआ, वहां पिछले 24 घंटे में तेज बारिश का दौर चला है। मंडला के कुमदम में 2.2 इंच, बिछारी में 1.8 इंच, मेहगांव में 0.5 इंच बारिश हुई। बालाघाट के पारसवाड़ा, लालबर्रा, बिरसा, सिवनी जिले के लखानदौन, बरघाट, कोहरी, धनोरा, घांसोरे, सिवनी शहर, डिंडौरी जिले के डिंडौरी शहर, अमरपुर में भी तेज बारिश हुई है।

कब-कहां एंट्री होगी मानसून की

- प्रदेश के पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी और अनूपपुर जिलों में आज मानसून पहुंच गया।
- बैतूल, नर्मदापुरम, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा में भी आज रात तक मानसून पहुंच सकता है।
- 22-23 जून तक भोपाल, 24 जून तक इंदौर और 25-26 जून तक उज्जैन संभाग में पहुंच सकता है।
- ग्वालियर-चंबल में सबसे आखिरी में एंटर होगा।
- इसके बाद ग्वालियर-चंबल संभाग में एंट्री की संभावना है। यह प्रदेश का उत्तरी हिस्सा है।

भोपाल में फिर तेज बारिश, बैरागढ़ में 4.8 इंच पानी गिरा, 200 इलाकों में बिजली हुई गुल

भोपाल में शुक्रवार शाम 4 बजे के बाद फिर तेज बारिश हुई। इससे पहले रात में शुरू हुई बारिश सुबह 9 बजे तक होती रही। मौसम विभाग के मुताबिक सबसे ज्यादा बैरागढ़ (संत हिरदाराम नगर), गांधी नगर-एयरपोर्ट एरिया में एवरेज 4.8 इंच पानी गिरा, जबकि सिटी क्षेत्र में 1.6 इंच बारिश हुई। नवी बाग में यह 3 इंच दर्ज की गई। बारिश होने से रात के टेम्प्रेचर में 4.1 डिग्री लुढ़ककर 22.4 डिग्री पर आ गया। बारिश की वजह से 200 से ज्यादा इलाकों में बिजली गुल हो गई। सुबह तक बिजली की लुकाछिपी चलती रही।रात 3 बजे से बारिश का दौर शुरू हुआ। कोलार, शाहपुरा, अरेरा कॉलोनी, बैरागढ़, करोंद, बैरसिया रोड, होशंगाबाद रोड समेत कई इलाकों में तेज बारिश हुई। इस दौरान बादल भी जमकर गरजे। वहीं, आकाशीय बिजली भी चमकी। बैरागढ़ में बादल जमकर बरसे और सड़कों पर पानी भर गया। इससे नगर निगम के नाले-नालियों की सफाई की पोल भी खुल गई। कई इलाकों में जलभराव के हालात बने हैं।

जिले में औसत 123.4 मिमी पानी गिरा

मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धावले ने बताया, जिले में औसत 123.4 मिमी, यानी 4.8 इंच पानी गिर गया। वहीं, सिटी में 41 मिमी बारिश दर्ज की गई। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से इतनी बारिश हुई। ऐसा ही मौसम आगे भी बना रहेगा।

भौंरी के कई घरों में पानी भराया

शहर से जुड़े भौंरी गांव में भी तेज बारिश हुई। इससे कई घरों में पानी भर गया और लोगों को परेशानी हुई। शुक्रवार सुबह तक कई घरों के बाहर पानी भर गया। बारिश थमने के बाद पानी को निकाला गया।

रात ठंडी हुई

बारिश के चलते रात भी ठंडी हो गई है। मौसम विभाग ने रात में तापमान 22.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो एक रात पहले 26.5 डिग्री रहा था। यानी, एक ही रात में पारा 4.1 डिग्री तक लुढ़क गया।

शरीर, मन और बुद्धि को स्वस्थ रखने की भारतीय जीवन पद्धति है 'योग' : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

स्वस्थ सशक्त भारत के लिए नियमित रूप से योग करने का लें प्रण

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल प्रातः काल शासकीय मार्तंड हायर सेकेंडरी स्कूल, रीवा में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और सामूहिक योग क्रिया में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गर्व का विषय है कि योग, जो हमारे ऋषियों की अनमोल देन है, आज पूरे विश्व में स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली का प्रतीक बन चुका है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग शरीर, मन और बुद्धि को स्वस्थ रखने की भारतीय जीवन पद्धति है। इसका नियमित अभ्यास न सिर्फ मनुष्य को ऊर्जासंपन्न बनाता है, बल्कि उनमें सकारात्मक चेतना का विकास भी करता है। उन्होंने स्वस्थ भारत, सशक्त भारत के निर्माण के लिए नियमित रूप से योग करने व अन्य लोगों को भी योग के प्रति जागरूक करने का संकल्प लेने की अपील की है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्री अन्न संवर्धन योजना का शुभारंभ करते हुए किसानों को मिलेट्स के पैकेट बांटे।

खंडवा में भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 3.6 तीव्रता

कंपन्न के बाद घरों से बाहर निकल आए लोग ; एडीएम बोले- नुकसान की सूचना नहीं

खंडवा (नप्र)। खंडवा में शुक्रवार सुबह 9 बजकर 4 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इनकी तीव्रता 3.6 मापी गई है। केंद्र खंडवा से 10 किलोमीटर दूर रहा। फिलहाल किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है।

शहर के नागचून रोड स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कीर्ति नगर, नवकार नगर, गुलमोहर कॉलोनी, आनंद नगर, माता चौक, इमलीपुरा, हातमपुरा, सिंघाड़ तलाई, छैगांवमाखन समेत कई इलाकों में कंपन से डरे लोग घरों से बाहर निकल आए थे।

एडीएम काशीराम बडोले ने कहा, स्थानीय मौसम विभाग ने झटकों की तीव्रता 3.6 बताई है। यह सिर्फ कंपन तक सीमित रहा। किसी प्रकार के नुकसानी की सूचना नहीं मिली है। खंडवा के पदमनगर में रहने वाले गणेश गुरबानी का कहना है कि भूकंप से उनके घर की दीवार में दरारें पड़ गई हैं।

कंपन्न महसूस हुआ तो बाहर निकले लोग- खंडवा के हनुमान नगर निवासी कॉन्ट्रेक्टर जितेंद्र सिंह सावनेर ने कहा, मैं सुबह करीब 9 बजे बिस्तर पर बैठा था, तभी अचानक कंपन हुआ। घर के खिड़की-दरवाजे हिलने लगे। मैं समझ गया कि

यह भूकंप के झटके हैं। मैं नीचे आया और पत्नी को लेकर घर से बाहर निकला। बाहर पहले से मोहल्ले के लोग इकट्ठा थे। उन्होंने भी झटके महसूस किए। भूकंप के झटकों से खंडवा के छैगांवमाखन में इंदौर रोड पर रिलायंस पेट्रोल पंप का सीसीटीवी कैमरा हिल गया। उसमें ये नजारा कैद हुआ।

भूकंप ऑब्जर्वेटरी की रीडिंग से तय होगा केंद्र- इंदिरा सागर बांध बनने के बाद खंडवा जिले में 6 भूकंप ऑब्जर्वेटरी बनाई गई हैं। इन सभी पर दर्ज रीडिंग देखने के बाद ही सही भूकंपीय केंद्र तय होगा। प्राथमिक तौर पर जलकुआं-रामपुरा कलां के पास भूकंप का केंद्र तय किया गया है। यह गांव खंडवा-अमरावती रोड पर है, जहां तीस सेकंड का ट्रेमर बताया गया हैं।

हम सबको दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए : मंत्री श्री तोमर

गुना में ऊर्जा मंत्री ने जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किया योगाभ्यास

भोपाल (नप्र)। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गुना में जिला स्तरीय कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों एवं विद्यार्थियों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा है, हम सबको दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि हम सभी हमारे प्रधानमंत्री के आभारी हैं, जिन्होंने योग कार्यक्रम को प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ में

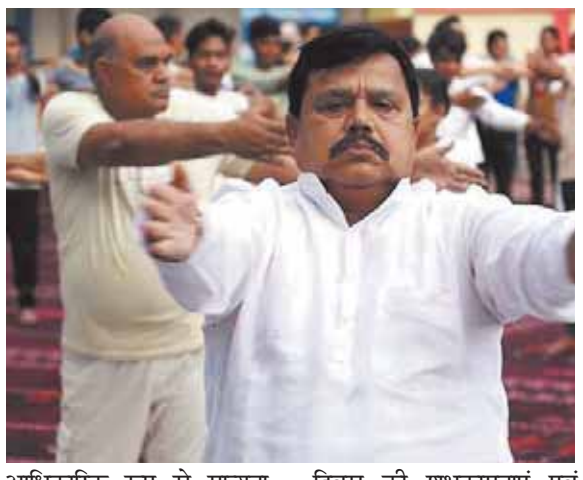

आधिकारिक रूप से मान्यता दिलवाई। उन्होंने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन का लाइव प्रसारण भी किया गया। श्री तोमर ने श्रीअन्न संवर्धन योजना से संबंधित कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी अवलोकन किया और मोटे अनाज से तैयार किये गए व्यंजन को चखा। कार्यक्रम के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरविंद धाकड़, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री धर्म सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मवेशी तस्करों पर नकेल कसने के लिए पुलिस का ऑपरेशन गौवंश

म.प्र. में 6 महीने में एक हजार गौवंश तस्कर गिरफ्तार, 5 सौ एफआईआर दर्ज

भोपाल(नप्र)। मध्य प्रदेश पुलिस मवेशी तस्करों के खिलाफ एक्शन में है। बीते 6 महीने के भीतर पुलिस 7 हजार से अधिक गौवंश मुक्त करा चुकी है। गौवंश तस्करी से जुड़े एक हजार आरोपियों को जेल भेजा चुका है। तस्करों के 300 वाहनों को जब्त किया जा चुका है और 500 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। तमाम कार्रवाई पुलिस मुख्यालय के निर्देश अनुसार की जा रही हैं।

सीएम के निर्देश के बाद एक्शन में पुलिस- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पदभार ग्रहण करने के पश्चात दिसंबर 2023 में पुलिस मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान पुलिस को प्रदेश में गौवंश के अवैध परिवहन पर कठोरता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे। इन्हीं निर्देशों के तारतम्य में पुलिस ने विगत 6 माह में अवैध गौवंश से संबंधित कुल 575 प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं। इन प्रकरणों में 1121 अपराधियों को गिरफ्तार कर 7524 गौवंश की मुक्ति कराई जा चुकी है। इस कार्यवाही में अब तक अवैध रूप से परिवहन कर रहे 342 वाहन भी जप्त किए जा चुके हैं।

म.प्र.की 16 यूनिवर्सिटी डिफॉल्टर घोषित

● इनमें 7 सरकारी और 9 प्राइवेट ; यूजीसी ने लोकपाल नियुक्त नहीं करने पर लिया एक्शन

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की 16 यूनिवर्सिटी को डिफॉल्टर घोषित किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने लोकपाल की नियुक्ति नहीं करने यह कार्रवाई की है। इनमें 7 सरकारी और 9 प्राइवेट यूनिवर्सिटी हैं।

डिफॉल्टर यूनिवर्सिटी की लिस्ट 19 जून को यूजीसी ने जारी की है। सात सरकारी यूनिवर्सिटी में सबसे ज्यादा तीन यूनिवर्सिटी जबलपुर की हैं, जबकि भोपाल और ग्वालियर की 2-2 यूनिवर्सिटी शामिल हैं। लोकपाल की नियुक्ति नहीं करने के चलते डिफॉल्टर घोषित 9 प्राइवेट यूनिवर्सिटी में इंदौर की तीन और भोपाल दो यूनिवर्सिटी शामिल हैं। इसके अलावा, सीहोर, देवास, नीमच और सागर की एक-एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी को डिफॉल्टर घोषित किया गया है।

डिफॉल्टर घोषित सरकारी यूनिवर्सिटी

1. राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल
2. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, भोपाल
3. मध्यप्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी, जबलपुर

4. जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
5. नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर
6. राजा मान सिंह म्यूजिक एंड आर्ट यूनिवर्सिटी, ग्वालियर
7. राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

यूजीसी ने लोकपाल नियुक्त नहीं करने पर एमपी में 16 यूनिवर्सिटी को डिफॉल्टर घोषित किया है। इन यूनिवर्सिटी में 1 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स पढ़ते हैं।

स्पेसिफिक स्टेट यूनिवर्सिटी और प्राइवेट यूनिवर्सिटी पर यूजीसी के नियम बाध्यकारी नहीं- बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व कुलपति और शिक्षाविद् डॉ. बी. भारती ने बताया कि यूजीसी ने जिन यूनिवर्सिटी को डिफाल्टर घोषित किया है, उन यूनिवर्सिटी में एक भी यूनिवर्सिटी परंपरागत यूनिवर्सिटी नहीं है। डिफाल्टर घोषित हुई स्पेसिफिक स्टेट यूनिवर्सिटी हैं। इस कारण कॉमन कोर्सेस (बीए, बीकॉम, बीएसएसी, एमए, एमएससी, एमकॉम जैसे कोर्स) का संचालन इन विश्वविद्यालयों में नहीं होता है।

डॉ. बी. भारती ने बताया- परंपरागत विश्वविद्यालयों पर यूजीसी के नियम सख्ती से लागू होते हैं। इन विश्वविद्यालयों का संचालन यूजीसी से मिलने वाली ग्रांट से होता है। जबकि स्टेट स्पेसिफिक यूनिवर्सिटी के नियामक आयोग और नियंत्रण के लिए संस्थाएं अलग हैं। इस कारण संबंधित यूनिवर्सिटी में यूजीसी के नियम सख्ती से लागू नहीं होते। इसके चलते यूजीसी से डिफाल्टर घोषित होने का असर विश्वविद्यालयों पर ज्यादा नहीं होगा।

प्राइवेट यूनिवर्सिटी पर भी यूजीसी के नियम बाध्यकारी नहीं है। क्योंकि प्रदेश में इनका संचालन निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के एक्ट के तहत होता है।

पूर्व जज ओमप्रकाश सुनरया माखनलाल यूनिवर्सिटी के लोकपाल नियुक्त- यूजीसी के लिस्ट जारी होते ही गुरुवार रात माखन लाल यूनिवर्सिटी ने लोकपाल नियुक्त कर दिया। सेवानिवृत्त प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश सुनरया को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में लोकपाल नियुक्त किए गए हैं। उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन साल की अवधि तक के लिए है।